▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 224 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 14-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पश्चिम एशिया संकट को लेकर सिंधिया ने कांग्रेस की आलोचना की

6 भारतीय नव संवत्सर एक सांस्कृतिक उत्सव का प्रतीक

7 'मेरी बेटी नाना-नानी की तरह स्टाइलिश होगी': मसाबा गुप्ता

फर्स्ट टेक

कर्नाटक : कार और बस की टक्कर में तीन लोगों की मृत्यु, एक घायल

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। दक्षिण कन्नड़ जिले में शुक्रवार को केएसआरटीसी की एक बस और एक कार के बीच टक्कर में तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना उप्पिनांगडी पुलिस थाना अंतर्गत शिरडी घाट के पास अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे हुई जब हासन से मंगलुरु आ रही कर्नाटक पंजीकरण नंबर की एक कार धर्मस्थल से तिरुपति जा रही केएसआरटीसी की बस से टकरा गई। मृतकों की पहचान चंद्रशेखर (57), जनार्दन गौडा (58) और शीधर गौडा (61) के रूप में हुई है जो कार में सवार थे। कार में सवार एक अन्य व्यक्ति सुरेश (58) इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुआ जिसे मंगलुरु के एजे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उप्पिनांगडी पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया है और जांच जारी है।

रूस से तेल खरीदने के संबंध में दी गई 30 दिन की छूट सही फैसला नहीं : जेलेंस्की

पेरिस/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच रूस के तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों में अमेरिका द्वारा दी गई 30 दिन की छूट सही फैसला नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे यूक्रेन पर रूस के चार साल से अधिक समय से जारी हमलों को रोकने में कोई मदद नहीं मिलेगी। पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जेलेंस्की ने कहा कि केवल इस ढील से ही रूस को युद्ध के लिए लगभग 10 अरब डॉलर मिल सकते हैं। उन्होंने कहा, ''इससे निश्चित रूप से शांति स्थापित करने में मदद नहीं मिलेगी। ''

ईरान में अभी 9,000 भारतीय नागरिक हैं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने संसद को बताया कि वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें छात्र, व्यवसायी, कारखाना कर्मचारी, तीर्थयात्री, नाविक और मछुआरे शामिल हैं। विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्ग्रेटा ने राज्यसभा को एक लिखित उत्तर में बताया कि भारतीय दूतावास ने ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सतर्क रहने, स्थानीय परिस्थितियों पर नजर बनाए रखने, स्थानीय मीडिया से अद्यतन जानकारी लेते रहने और दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय से प्रश्न किया गया था कि ईरान में अब भी मौजूद भारतीय नागरिकों के विवरण और उनकी सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी, जैसे कि आपातकालीन हेल्पलाइन, कांसुलर टीमों की तैनाती और ईरानी अधिकारियों के साथ सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं क्या हैं ?

शांति एवं विकास का एक नया अध्याय लिख रहा है पूर्वोत्तर : मोदी

भाजपा ने पूर्वोत्तर में स्थायी शांति सुनिश्चित की, कांग्रेस ने 'स्वार्थी हितों' को ऊपर रखा : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्वोत्तर में बमों और गोलीबारी की आवाज अब बीते दिनों की बात हो गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित की, जबकि कांग्रेस ने ''स्वार्थ केंद्रित राजनीतिक हितों'' के लिए विभिन्न समझौतों पर हस्ताक्षर किए। बारिश के कारण यात्रा कार्यक्रम में बाधा आने के बाद गुवाहाटी से 'डिजिटल' माध्यम से असम के कोकराझार जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य ''डबल इंजन'' सरकार के तहत शांति एवं विकास का एक नया अध्याय लिख रहा है।

मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने स्वदेशी लोगों की जमीन घुसपैठियों को सौंपकर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का काम किया। उन्होंने कहा, आगामी चुनावों में कांग्रेस को दंडित करें और यह स्पष्ट संदेश दें कि इस देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है।

असम विधानसभा की 126 सीट के लिए चुनाव अप्रैल में होने की संभावना है।

मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा घुसपैठियों के साथ मिलीभगत करती रही है और उसने राज्य की मूल आबादी को कभी कानूनी रूप से भूमि अधिकार नहीं दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी भूमि घुसपैठियों को सौंप दी, और धुबरी तथा गोलपारा जैसे जिलों में स्थिति गंभीर थी, जिससे कोकराझार की जनसांख्यिकी प्रभावित हुई।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अतिक्रमण मुक्त भूमि के लिए एक बड़ा अभियान चला रहे हैं और भाजपा सरकार ने आदिवासी लोगों को उनके अधिकार सौंप दिए हैं। मैं इस संबंध में सहयोग देने के लिए आदिवासी समुदायों के लोगों का भी आभारी हूं।''

मोदी ने कहा कि कोकराझार दशकों से कांग्रेस के विश्वासघात का साक्षी रहा है, क्योंकि विपक्षी कांग्रेस ने झूठे वादे किए थे। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने दिखावे और स्वार्थी हितों के लिए शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन भाजपा ने स्थायी शांति के लिए काम किया और बोडोलैंड का विकास सुनिश्चित किया।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि बोडोलैंड की पहाड़ियां दशकों तक बंदूकों और बम धमाकों की आवाजों से गूंजती रहीं, लेकिन ''अब वे दिन बीत चुके हैं, और यह शांति एवं विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है''।

शिवकुमार ने लगाया ओडिशा में 'ऑपरेशन लोटस' का आरोप

कांग्रेस विधायक पहुंचे बेंगलूरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। 'ऑपरेशन लोटस' की आशंकाओं के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा ओडिशा के कांग्रेस विधायकों पर दबाव डाल रही है और उन्हें अपने राज्यसभा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के लिए बड़े प्रलोभन दे रही है।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा 'ऑपरेशन लोटस' को अंजाम दे सकती है, जिसके कारण भाजपा शासित ओडिशा के कांग्रेस विधायकों को बेंगलूरु लाया गया है।

शिवकुमार ने यहां डेरा डाले हुए ओडिशा के विपक्षी (कांग्रेस) विधायकों से मुलाकात के बाद दावा किया, ''इस बात का डर है कि वे (भाजपा) 'ऑपरेशन लोटस' को अंजाम दे सकते हैं। वे (भाजपा) हमारे लोगों पर बहुत दबाव डाल रहे हैं और उन्हें बड़े-बड़े प्रलोभन दे रहे हैं। इसलिए सभी पर बहुत दबाव है। वे किसी भी तरह राज्यसभा सीट जीतना चाहते हैं।''

'ऑपरेशन लोटस' एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल भाजपा के प्रतिद्वंद्वी यह दावा करने के लिए करते हैं कि भाजपा विपक्षी खेमे के विधायकों का समर्थन हासिल करने के लिए पिछले दरवाजे से प्रयास करती है ताकि या तो सरकार बनाई जा सके या राज्यसभा चुनाव में सीट जीती जा सके।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, पार्टी की ओडिशा इकाई के लगभग आठ विधायकों को बृहस्पतिवार देर रात भुवनेश्वर से बेंगलूरु लाया गया और उन्हें शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक रिसॉर्ट में ठहराया गया है।

रुपया 92.45 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद

मुंबई/भाषा। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल की कीमतें 101 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच जाने के बीच रुपया शुक्रवार को 20 पैसे टूटकर 92.45 प्रति डॉलर (अस्थायी) के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत रुख, विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुझान ने रुपए पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.33 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.47 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में रुपया 92.45 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को 24 पैसे टूटकर 92.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''घरेलू बाजारों में कमजोरी और डॉलर के मजबूत होने से रुपया शुक्रवार को नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट,

सेंसेक्स 1,471 अंक लुढ़का

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 1,470 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी को 488 अंकों का नुकसान हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में भारी बिकवाली, विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और रुपए की कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,470.50 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,563.92 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,579.82 अंक यानी दो प्रतिशत गिरकर 74,454.60 अंक पर आ गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 488.05 अंक यानी 2.06 प्रतिशत फिसलकर 23,151.10 अंक पर बंद हुआ।

बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,348 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 941 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 132 अन्य शेयरों के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

लिवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के. ने कहा कि बाजार में आई यह तेज गिरावट मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और भारत जैसी ऊर्जा आयातक अर्थव्यवस्थाओं के लिए बढ़ती व्यापक आर्थिक चिंताओं के कारण है। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को 10,24,181.74 करोड़ रुपए घटकर 4,29,82,252.27 करोड़ रुपए रह गया।

साप्ताहिक आधार पर देखें तो बीएसई सेंसेक्स में इस हफ्ते कुल 4,354.98 अंक यानी 5.51 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी 1,299.35 अंक यानी 5.31 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा भारत : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि हालिया युद्ध के कारण पैदा हुए वैश्विक संकटों और आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद भारत सक्षम नेतृत्व की वजह से विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है।

लखनऊ में 1,519 करोड़ रुपये की ग्रीन कॉरिडोर परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह के मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, आप देख ही रहे होंगे कि एक युद्ध छिड़ गया है। दुनिया में आर्थिक उथल-पुथल का माहौल है और इन परिस्थितियों में भी, हमारा देश अपनी विकास यात्रा पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है... क्योंकि देश के पास सक्षम और कुशल नेतृत्व है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व यह सुनिश्चित कर रहा है कि विकास की गति को तेज करते हुए देश की हर जरूरत को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि उस सक्षम नेतृत्व के तहत, भारत तेजी से प्रगति कर रहा है, हर क्षेत्र की जरूरतों को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर से लखनऊ शहर भर में यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जो दूरी तय करने में पहले 15 मिनट से लेकर एक घंटे तक का समय लगता था, अब वह सिर्फ 10 से 15 मिनट में तय की जा सकती है।

सरकार ने निर्बाध एलपीजी आपूर्ति का भरोसा दिया

घबराहट में बुकिंग न करने की सलाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया संकट से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बीच सरकार ने शुक्रवार को कहा कि घरों के लिए एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गई है और गैस सिलेंडर के लिए घबराहट में बुकिंग करने की कोई जरूरत नहीं है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि पांच मार्च से अब तक घरेलू एलपीजी उत्पादन में 30 प्रतिशत की वृद्धि की जा चुकी है। उन्होंने कहा, ''घबराहट में सिलेंडर की बुकिंग की कोई जरूरत नहीं है, और किसी भी एलपीजी डीलर के पास स्टॉक खत्म नहीं हुआ है।''

शर्मा ने बताया कि ईरान युद्ध से पहले औसतन 55.7 लाख बुकिंग के मुकाबले इस समय एलपीजी बुकिंग बढ़कर 75.7 लाख हो गई है, जो स्पष्ट रूप से घबराहट में की जा रही बुकिंग को दर्शाता है।

पाकिस्तान ने हवाई हमलों में आम नागरिकों के घरों को निशाना बनाया : अफगानिस्तान

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने की अपील के बावजूद दोनों पड़ोसी देशों के बीच लड़ाई का यह तीसरा सप्ताह है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काबुल/एपी। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने शुक्रवार को पाकिस्तानी सेना पर काबुल और देश के अन्य क्षेत्रों में रात भर चले हवाई हमलों में आम लोगों के घरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। तालिबान ने कहा कि इन हमलों में कम से कम छह नागरिक मारे गए और कई अन्य घायल हुए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने की अपील के बावजूद दोनों पड़ोसी देशों के बीच लड़ाई का यह तीसरा सप्ताह है।

अफगान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्ला मुजाहिद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि पाकिस्तान के विमान ने कंधार हवाई अड्डे के पास स्थित निजी एयरलाइन 'काम एयर' से संबंधित ईंधन डिपो (ईंधन भंडार केंद्र) पर भी हमला किया। उन्होंने कहा, ''यह कंपनी नागरिक विमानों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के विमान को ईंधन की आपूर्ति करती है।'' इस बीच, पाकिस्तान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि देश के सशस्त्र बलों ने चलाए जा रहे अभियान के तहत 'अफगानिस्तान के अंदर सफल हवाई हमले' किए, जिसमें अफगानिस्तान में कथित तौर पर चार आतंकवादी ठिकानों और उनके सहायक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

ये घटनाक्रम दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है, जिसे पाकिस्तान ने 'खुला युद्ध' करार दिया है।

इससे क्षेत्र में स्थिरता को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं, क्योंकि अमेरिका और इजराइल का ईरान के खिलाफ चल रहा युद्ध लगातार जारी है, जिससे व्यापक अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

यह विवाद पाकिस्तान के इस विश्वास पर आधारित है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार उन आतंकवादी समूहों को पनाह दे रही है जो उसके खिलाफ हमले करते हैं और साथ ही उसके कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के साथ गठबंधन कर रही है। तालिबान ने आतंकवादी समूहों को पनाह देने से इनकार किया है।

फरवरी के आखिर से ही पाकिस्तान और अफगानिस्तान एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। अफगानिस्तान ने कहा था कि उसने सीमा पर पाकिस्तानी हमलों के जवाब में पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाकर हमले किए थे।

ईरान ने किए खाड़ी देशों और इजराइल पर हमले, ट्रंप ने दी चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने खाड़ी के अरब देशों पर शुक्रवार तड़के कई हमले किए, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उसे बड़े जवाबी हमले की चेतावनी दी।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''देखते रहिए, आज इन कुटिल लोगों का क्या हश्र होता है। ईरान की नौसेना नाश हो चुकी है, वायुसेना तबाह हो गई है। मिसाइल, ड्रोन और सब कुछ खत्म हो गए हैं और उनके नेताओं का नामोनिशान धरती से मिटा दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''हम ईरान के आतंकी शासन को सैन्य, आर्थिक और हरेक तरीके से पूरी तरह नष्ट कर रहे हैं।''

ट्रंप ने कहा, ''वे 47 वर्ष से दुनिया भर में निर्दोष लोगों को मार रहे हैं और अब मैं, अमेरिका का 47वां राष्ट्रपति होने के नाते, उन्हें मार रहा हूं। ऐसा करना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति की इन टिप्पणियों से एक दिन पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुज्तबा खामेनेई ने ईरानियों के खून का बदला लेने से पीछे न हटने का संकल्प लिया था। उन्होंने खाड़ी के अरब देशों को अमेरिकी ठिकाने बंद करने की चेतावनी देते हुए कहा था कि अमेरिकी सुरक्षा की धारणा झूठ के सिवा कुछ नहीं है।

मोजतबा खामेनेई को बख्शा नहीं जाएगा : नेतन्याहू

यरूशलम/भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल का संयुक्त अभियान ''उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है'' और इजराइल ''पहले से कहीं अधिक मजबूत'' है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के नव निर्वाचित सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को भी ''बख्शा'' नहीं जाएगा।

इस सवाल के जवाब में कि क्या इजराइल खामेनेई और हिजबुल्ला नेता नईम कासिम को निशाना बनाएगा, इस पर नेतन्याहू ने कहा, ''मैं किसी भी आतंकी संगठन के नेता को नहीं बख्शूंगा।''

मोजतबा के पिता ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में मारे गए थे।

ईरान युद्ध के बीच तुर्किये के ऊपर तीसरी बैलिस्टिक मिसाइल को नाटो ने मार गिराया

इस्तांबुल/एपी। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की वायु रक्षा प्रणालियों ने तुर्किये के ऊपर ईरान से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को शुक्रवार को मार गिराया।

रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। यह ईरान युद्ध की शुरुआत के बाद से इस तरह की तीसरी घटना थी। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल को पूर्वी भूमध्यसागर में तैनात नाटो की वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा नष्ट कर दिया गया।

दक्षिणी शहर अदाना के निवासियों ने शुक्रवार तड़के जोरदार विस्फोट और इंसरलिक वायुसेना अड्डे पर सायरन की आवाज सुनी। इस वायुसेना अड्डे का इस्तेमाल अमेरिकी बलों द्वारा किया जाता है।

14-03-2026 सूर्यास्त 6:30 बजे | 15-03-2026 सूर्योदय 6:27 बजे

BSE	NSE
74,563.92	23,151.10
(-1,470.50)	(-488.05)

सोना	चांदी
16,546 रु.	263,683 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाजिर हो

जनप्रतिनिधि का दायित्व यही,
कर्तव्यों पर वे रहे स्थित।
बहुमूल्य वोट देकर उनको,
हमने चाहा जन-जन का हित।
संसद है पूजा स्थल उनका,
जब खुले रहे तब हाजिर नित।
वर्ना पूछेगी जनता अब,
क्यों रहे सदन से अनुपस्थित।।

सदा सुखी बनने के लिए प्रेक्षाध्यान का अभ्यास जरूरी : मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीवनहल्ली में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में प्रेक्षावाहिनी कार्यशाला का आयोजन महावीरचंद मुथा के निवास स्थान पर किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि प्रेक्षाध्यान आज के तनाव भरे वातावरण में अति आवश्यक हो गया है। व्यक्ति सुखी जीवन जीना चाहता है परंतु सुख को बढ़ाने की प्रक्रिया नहीं जानता, मनुष्य को सदा सुखी बनने के लिए प्रेक्षाध्यान का अभ्यास करना चाहिए। मुनिश्री ने आगे कहा कि बेंगलूरु में प्रेक्षाध्यान के 95 प्रशिक्षक हैं वे सभी अपने-अपने क्षेत्र में प्रेक्षाध्यान केंद्र योग सेंटर चलाने की कोशिश करें। आचार्यश्री महाप्रज्ञ के अवदान को आगे बढ़ाने का सत्संकल्प होगा, यही गुरु की उत्तम सेवा कही जा सकेगी। मुनि आदित्य कुमारजी ने गीत का संगान करते हुए प्रेक्षाध्यान का प्रयोग करवाया। तपस्वी श्रावक महावीरचंद मुथा ने प्रेक्षा गीत प्रस्तुत करते हुए मुनिद्वय का स्वागत किया। मुख्य प्रशिक्षिका राखी नाहर ने समताल श्वासप्रेक्षा का महत्व उजागर करते हुए समवृत्ति श्वास प्रेक्षा का प्रयोग करवाया। पुलकित कुमारजी ने कायोत्सर्ग का विशेष प्रयोग करवाया।

जीतो यूथ द्वारा 'डिकोड दि स्टॉक मार्केट' कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ की यूथ विंग द्वारा जीतो सेंटर फॉर एक्सीलेंस के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'डिकोड द स्टॉक मार्केट' का आयोजन चामराजपेट कार्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिटेल रिसर्च की उपाध्यक्ष स्नेहा पोद्दार और टेक्निकल रिसर्च प्रमुख चंदन तापारिया ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने स्टॉक मार्केट की जटिलताओं के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए फंडामेंटल और टेक्निकल विश्लेषण पर अपनी विशेषज्ञता साझा की। इस आयोजन में 43 सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने चर्चाओं, तुलनात्मक उदाहरणों और व्यावहारिक प्रदर्शनों में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में स्टॉक मार्केट के मूलभूत सिद्धांत, वित्तीय विवरण, अनुपात विश्लेषण, चार्ट पढ़ना और प्रवृत्ति पहचान शामिल थे, जिससे प्रतिभागियों को स्टॉक मार्केट की व्यापक समझ मिली। पहले दिन, स्नेहा पोद्दार ने स्टॉक मार्केट और फंडामेंटल विश्लेषण के परिचय पर ध्यान केंद्रित किया। इस सत्र में वित्तीय विवरण, प्रमुख वित्तीय अनुपात और कंपनी विश्लेषण के लाइव प्रदर्शन शामिल थे।

दूसरे दिन चंदन तापरिया ने टेक्निकल विश्लेषण और स्ट्रेटेजिक मार्केट दृष्टिकोण पर चर्चा की, जिसमें चार्ट, प्रवृत्ति और व्यावहारिक अभ्यास शामिल थे। प्रतिभागियों ने स्टॉक मार्केट की अवधारणाओं की मजबूत आधारभूत समझ, वित्तीय विवरणों के व्यावहारिक अनुभव और संरचित तरीकों का उपयोग करके कंपनियों का मूल्यांकन करने की क्षमता प्राप्त की। इस कार्यक्रम के संयोजक कुणाल राठौड़ थे।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक 'धोखाधड़ी' मामले में ईडी ने पांच शहरों में छापेमारी के बाद 90 खाते फ्रीज किए

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बताया कि उसने हाल ही में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से जुड़े धनशोधन मामले में 90 बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं। इस मामले में कथित रूप से हरियाणा सरकार के 590 करोड़ रुपए की धनराशि गबन की गई है।

संघीय जांच एजेंसी ने दावा किया कि केवल कागज पर चल रही (शेल) कंपनियों का इस्तेमाल और सोने की खरीद के लिए फर्जी बिलिंग के जरिये यह धोखाधड़ी की गई। प्रवर्तन निदेशालय ने 11 मार्च को चंडीगढ़ ट्राइसिटी (पंजाब में चंडीगढ़ और मोहाली तथा हरियाणा में पंचकुला), गुरुग्राम (हरियाणा) और बेंगलूरु (कर्नाटक) में कुल 19 स्थानों पर छापेमारी की। ईडी ने एक बयान में कहा कि यह पाया गया कि आरोपी ने सार्वजनिक धन का गबन कई शेल कंपनियों के माध्यम से धन को इधर-उधर भेजकर और कई स्तर पर बांटकर किया। निदेशालय ने कहा कि अधिकांश धनराशि ज्वैलर्स के बैंक खातों के माध्यम से भेजी गई, ताकि फर्जी बिलिंग के जरिये सोने की खरीद का भ्रम पैदा किया जा सके। ईडी ने मामले में शामिल एक शेल कंपनी की पहचान स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. के रूप में की, जिसके साझेदार स्वाति सिंगला और अभिषेक सिंगला हैं।

निदेशालय ने कहा कि यह घोटाला पिछले वर्ष बैंक के पूर्व कर्मचारियों की सहायता से अंजाम दिया गया, जिनमें ऋभव ऋषि शामिल हैं। एजेंसी के अनुसार, ''अपराध से प्राप्त धन'' ऋषि और उनकी पत्नी दिव्या अरोड़ा के खातों में खर्च या स्थानांतरित कर दिया गया। ईडी ने कहा, ''छापेमारी के दौरान 90 से अधिक बैंक खाते फ्रीज किए गए और डिजिटल तथा दस्तावेज़ी साक्ष्यों के रूप में अभियोजन के लिए आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई।'' इस छापेमारी से पहले, एजेंसी ने हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो की प्राथमिकी को ध्यान में रखते हुए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था।

ऊर्जा के मुद्दे पर भ्रम फैला रहे राहुल गांधी: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर देश में रसोई गैस (एलपीजी) की उपलब्धता को लेकर भ्रम फैलाने और दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया।

सिंह ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि राहुल गांधी ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान भी इसी तरह का बर्ताव किया था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने इस संकट से प्रभावी तरीके से पार पा लिया था। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि ''त्रुटिपूर्ण'' विदेश नीति के कारण भारत की ऊर्जा सुरक्षा 'खतरे' में पड़ गई है। उनकी आलोचना करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, ''राहुल गांधी केवल देश को गाली देना जानते हैं। जब कोविड ने देश को परेशान किया था तब भी उन्होंने पूरे देश में भ्रम और दुष्प्रचार फैलाया था।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब एलपीजी के मामले में भी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ऐसा ही कर रहे हैं।

वाम दलों और कांग्रेस का 'अपवित्र गठबंधन' केरल में विकास का विरोधी : केंद्रीय मंत्री वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को वाम दलों और कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि ये दल केरल के विकास कार्यों को आगे बढ़ने नहीं दे रहे हैं और राज्य की प्रगति को बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य में रेल नेटवर्क को बेहतर बनाने के लिए बजट आवंटन आठ गुना बढ़ाया है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान माकपा सदस्य जॉन ब्रिटास के पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे वैष्णव ने आरोप लगाया कि केरल में वाम दलों और कांग्रेस के अपवित्र गठबंधन का किसी भी परियोजना को पूरा करने का इरादा नहीं है। केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं। रेल मंत्री ने दोनों दलों के गठबंधन को सीसीपी कम्युनिस्ट कांग्रेस पार्टी करार देते हुए कहा, असल मुद्दा यह है कि कांग्रेस और वाम दलों के बीच एक दिलचस्प गठबंधन है। मैं इसे सीसीपी यानी कम्युनिस्ट कांग्रेस पार्टी कहता हूं और उनका एकमात्र लक्ष्य केरल में चल रही हर परियोजना को रोकना है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि इन दलों का किसी भी परियोजना को पूरा करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण के लिए 1,900 करोड़ रुपए जमा किए जा चुके हैं, लेकिन भूमि अधिग्रहण की स्थिति स्पष्ट नहीं है। सबरी रेल लाइन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लंबे प्रयासों के बाद राज्य सरकार ने हाल में भूमि अधिग्रहण शुरू किया है। उन्होंने कहा ''क्या यह केरल के लोगों की सेवा करने का तरीका है?'' वैष्णव ने कहा कि केरल में समय-समय पर कांग्रेस और वाम दलों की सरकारें रही हैं और इसी कारण वह इस गठबंधन को सीसीपी कहते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा द्वारा स्वीकृत परियोजना को अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरा कर रहे हैं। जब वैष्णव ने यह टिप्पणी की, तब सदन में देवेगौड़ा मौजूद थे।

विमान के ब्लैक बॉक्स डेटा में छेड़छाड़ का प्रयास किया जा रहा : रोहित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु से जुड़े मामले में राकांपा (शप) विधायक रोहित पवार ने शुक्रवार को दावा किया कि वीएसआर वेंचर्स के मालिक वी के सिंह विमान के 'ब्लैक बॉक्स' डेटा में छेड़छाड़ की कोशिश कर रहे हैं। वीएसआर वेंचर्स उस विमान का संचालन कर रही थी जिसके दुर्घटनाग्रस्त होने से अजित पवार की मृत्यु हो गई थी।

रोहित पवार ने कहा कि विमान 'लीयरजेट 45' के फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) डेटा के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ का पता फॉरेंसिक ऑडिट के दौरान चल जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''ऐसी खबरें हैं कि वीएसआर कंपनी के मालिक और डेटा में हेरफेर करने के विशेषज्ञ वी के सिंह दुर्घटना में शामिल विमान के एफडीआर डेटा से कथित तौर पर छेड़छाड़ की कोशिश कर रहे हैं।''

फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (जिसे आमतौर पर ब्लैक बॉक्स के नाम से जाना जाता है) ऐसा उपकरण है जो विमान के विभिन्न मापदंडों और परिचालन डेटा को रिकॉर्ड करता है, जिसका उपयोग दुर्घटना संबंधी जांच में किया जा सकता है।

विपक्षी विधायक ने कहा कि डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) या एएआईबी (विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो) के वे कर्मी जो इस गतिविधि में सहायता कर रहे हैं या सहायता करने की सोच रहे हैं, उन्हें ध्यान देना चाहिए कि उपकरण के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ का पता फॉरेंसिक ऑडिट के दौरान चल जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, ''एक बार समिति का गठन हो जाने के बाद, फॉरेंसिक ऑडिट (ऐसी प्रक्रिया जो विमान दुर्घटना के कारण का पता लगाने में मदद करती है) किया जाएगा, इसलिए किसी को भी डेटा के साथ छेड़छाड़ करने की हिम्मत नहीं करनी चाहिए।''

रोहित पवार ने कहा कि कुछ अधिकारी समझौतापरस्त हो सकते हैं, लेकिन डीजीसीए के कई अधिकारी ईमानदार और निष्ठावान हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह मार्च को समाप्त सप्ताह में 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.885 अरब डॉलर बढ़कर 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, छह मार्च को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 9.88 अरब डॉलर घटकर 563.24 अरब डॉलर रह गईं।

डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में घट-बढ़ के प्रभाव शामिल होते हैं।

रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.61 अरब डॉलर घटकर 130.01 अरब डॉलर रह गया।

केंद्रीय बैंक ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 14.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.72 अरब डॉलर रह गया।

आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 4.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गया।

संघ के शताब्दी वर्ष में शाखाओं का विस्तार करने, व्यापक जनसंपर्क की योजना : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह सरकार्यवाह सी. आर. मुकुंद ने शुक्रवार को कहा कि आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर देश में शाखाओं के विस्तार और व्यापक जनसंपर्क के जरिये समाज की सहभागिता पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

संघ में निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की हरियाणा के समालखा में आयोजित तीन दिवसीय बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने यह जानकारी दी।

मुकुंद ने बताया कि जनसंपर्क अभियान के तहत केरल में 55 हजार से अधिक मुस्लिम और 54 हजार से अधिक ईसाई परिवारों तक संगठन के स्वयंसेवक पहुंचे। बैठक का उद्घाटन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन और पार्टी के 32 सहयोगी संगठनों के अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में भाग लेंगे। मुकुंद ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों में 'गृह संपर्क' अभियान, हिंदू सम्मेलन, युवा सम्मेलन, गणमान्य नागरिकों की बैठकें और सामाजिक समरसता कार्यक्रम शामिल हैं।

अपने संबोधन में, मुकुंद ने संघ के 'पंच परिवर्तन' अभियान का भी उल्लेख किया। इसके तहत सामाजिक समरसता, परिवार व्यवस्था का संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वत्व और स्वावलंबन तथा नागरिक और संवैधानिक कर्तव्यों के पालन पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गृह संपर्क अभियान के तहत अब तक 10 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचा गया है और देश के तीन लाख से अधिक गांवों को कवर किया गया है।

शासन की तीनों शाखाएं जांच के लिए खुली हों: एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक विवाद पर प्रियंका चतुर्वेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना (उबाठा) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को कहा कि शासन की तीनों शाखाएंविधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिकाकानून के समक्ष समान, जवाबदेह और जांच के लिए खुली होनी चाहिए।

उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की एक पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार विषय पर एक अध्याय को लेकर उठे विवाद का मुद्दा उठाया। इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश ने निर्देश जारी किए थे और इस मुद्दे पर एनसीईआरटी ने माफीनामा जारी किया था। चतुर्वेदी ने कहा, 11 मार्च को उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस अध्याय को लिखने वाले शिक्षाविदों की शैक्षणिक मामलों, वित्त पोषित संस्थानों और सरकारी संस्थानों में कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर न्यायपालिका की आलोचना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई से संबंधित अदालत के निर्देश भी न्यायिक अतिक्रमण की श्रेणी में आते हैं।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि शासन की तीनों शाखाएं कानून के समक्ष समान हों, जवाबदेह हों और उनकी जांच हो सके। यदि इनमें किसी प्रकार की असमानता या सर्वोच्चता की स्थिति बनती है तो यह

सीबीआई ने 228 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी के बेटे से पूछताछ की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को 228 करोड़ रुपए के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया धोखाधड़ी मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जय अनमोल अंबानी को शनिवार को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी ने कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में उनसे पूछताछ की, जिसमें उन पर रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तथा पूर्व पूर्णकालिक निदेशक रवींद्र सुधाकर समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। कंपनी से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। गत 9 दिसंबर, 2025 को एजेंसी ने जय अनमोल अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसके बाद जय के आवास पर तलाशी ली थी।

गोवा सरकार 100 दिनों में एआई और 'डीप-टेक' नीति लागू करेगी : रोहन खाउंटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा सरकार अगले 100 दिनों में अपनी एआई और डीप-टेक नीति अधिसूचित करेगी। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रोहन खाउंटे ने शुक्रवार को यह बात कही और स्थानीय प्रतिभाओं को विकसित करने व स्वदेशी समाधान तैयार करने के अपने दृष्टिकोण पर जोर दिया।

खाउंटे ने राज्य विधानसभा में विधायक एलेक्सियो लौरेंको द्वारा पेश किए गए एक निजी सदस्य प्रस्ताव का जवाब देते हुए बताया कि दुनिया 'इंडस्ट्री 5.0' की ओर बढ़ रही है, जहां प्रौद्योगिकी मनुष्य का स्थान लेने के बजाय उनके साथ मिलकर काम करती है। उन्होंने कहा, 'एआई निर्णय लेने, रचनात्मकता व कौशल को बढ़ावा देगा, साथ ही लोगों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगी। खाउंटे ने यह भी कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग (डीआईटीई एंड सी) 'मानवीय जरूरतों के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता' को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि गोवा के पास इस परिवर्तन को समर्थन देने के लिए एक मजबूत डिजिटल आधार है। खाउंटे ने कहा कि 'एआई स्टार्टअप्स' को अनुदान और संरचित सहायता प्रदान की जाएगी, जिसमें महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए विशेष प्रावधान होंगे।

डॉलर में मजबूती से दिल्ली में चांदी, सोना के दाम चार प्रतिशत तक गिरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में चार प्रतिशत तक की गिरावट आई। डॉलर के मजबूत होने और वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर अनिश्चितता के बीच चांदी गिरकर 2.65 लाख रुपए प्रति किलोग्राम और सोना फिसलकर 1.63 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चांदी की कीमत में 11,000 रुपए यानी 3.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह बृहस्पतिवार के बंद भाव 2,76,500 रुपए प्रति किलोग्राम से गिरकर 2,65,500 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। स्थानीय सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी 2,000 रुपए यानी 1.21 प्रतिशत की गिरावट आई। यह 1,65,200 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। पिछले सत्र में सोने की कीमत 1,65,200 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा कि घरेलू बाजार में सोने की कीमतों पर डॉलर की मजबूती और मौद्रिक ढील को लेकर बदलती उम्मीदों का लगातार दबाव बना रहा। परमार ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे महंगाई बढ़ने का डर पैदा हो गया है। इसके चलते केंद्रीय बैंकों को लंबे समय तक सख्त मौद्रिक रुख बनाए रखने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

उन्होंने कहा, ''हालांकि, अल्पकालिक उतार-चढ़ाव और व्यापारियों की तरफ से बिकवाली जारी रह सकती है, लेकिन परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। भू-राजनीतिक तनाव स्थिर हो जाने पर केंद्रीय बैंकों द्वारा खरीद और खुदरा निवेश में फिर से तेजी आने की उम्मीद है, जिससे कीमतों को एक मजबूत आधार मिलेगा।''

भाजपा सांसदों ने रास में कहा- बच्चों के खिलाफ मामलों में अपराधियों को सख्त संदेश देना जरूरी

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को भाजपा सदस्यों ने जोर दिया कि बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों से सख्ती से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने कानून में प्रभावी संशोधन किए हैं और जघन्य अपराधों के लिए मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि अपराधियों को यह संदेश देना जरूरी है कि वे अपराध करने के बाद बच नहीं सकते और उन्हें तुरंत सख्त सजा दी जाएगी। इसके लिए सरकार ने देश भर में विशेष अदालतों का गठन किया है ताकि मामलों में त्वरित सुनवाई के साथ ही अपराधियों को सख्त सजा मिल सके, साथ ही पीड़ितों को न्याय एवं मुआवजा सुनिश्चित हो सके।

उच्च सदन में विभिन्न दलों के सदस्यों ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) की फौजिया खान के निजी विधेयक 'लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण (संशोधन) विधेयक' पर चर्चा के दौरान भाजपा सदस्यों

ने यह बात कही। भाजपा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि ऐसे अपराधों से निपटने के लिए सरकार ने 2019 में कानून में व्यापक बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 1000 से ज्यादा त्वरित अदालतों का गठन किया है और वहां डिजिटल ढांचा भी तैयार किया गया है ताकि मामलों में जल्दी फैसला हो सके। भाजपा सदस्य ने कहा कि अब कानूनी प्रक्रिया को बाल केंद्रित बनाया गया है और यह कानून बच्चों के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि फौजिया खान ने अपने विधेयक में जो मांग की है, वे पहले से ही कानून में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि अपराधों को रोकने के लिए यह संदेश देना भी जरूरी है कि अपराधियों को तुरंत सजा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसे मामले सामने नहीं आ पाते हैं और सरकार ने ऐसे मामलों को सामने लाने के लिए ''चुप्पी तोड़ो'' अभियान भी चलाया और पीड़ितों को संदेश दिया कि ''डरो मत'', अपराधियों को सजा दी जाएगी। डिजिटल युग भी समस्या एक प्रमुख कारण है और ऑनलाइन शोषण के कई मामले सामने आते हैं।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच कर्नाटक फंसे हुए विदेशी पर्यटकों की मेजबानी करेगा : एचके पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पर्यटन मंत्री एचके पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि राज्य पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण फंसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की मेजबानी के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है, साथ ही साथ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दे रहा है और पर्यटन बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है। त्रिपुरा वासिनी के पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित तीन दिवसीय यात्रा एवं पर्यटन मेले में बोलते हुए पाटिल ने कहा, हालांकि इस संघर्ष का भारत पर कोई सीधा प्रभाव नहीं है, लेकिन इसने विदेशी पर्यटकों, विशेष रूप से मध्य पूर्वी देशों के पर्यटकों की यात्रा योजनाओं को बाधित कर दिया है। वीजा और यात्रा प्रतिबंधों के कारण कई पर्यटक अपने घर नहीं लौट पा रहे हैं। कर्नाटक स्थिति सामान्य होने तक उनके आरामदायक प्रवास को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है, जिसमें वीजा प्रबंधन और आवश्यक सहायता प्रदान करना शामिल है।

पाटिल ने कहा कि राज्य सरकार खुदाई परियोजनाओं और बड़े खुले संग्रहालयों के विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने आगे कहा, लकुंडी में एक समर्पित संग्रहालय स्थापित किया जाएगा, जहां लगभग 1,500 कलाकृतियां पहले ही एकत्र की जा चुकी हैं और लगभग 3,500 वस्तुओं पर शोध किया जा चुका है। हाल ही में, एक परिवार ने 600 साल पुराना एक आभूषण दान किया है, जिसका उपयोग मूल रूप से एक देवी को सुशोभित करने के लिए किया जाता था, और विशेषज्ञों ने इसका मूल्य 5 करोड़ रुपये आंका है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पर्यावरण पर्यटन, साहसिक पर्यटन, शैक्षिक पर्यटन और किसान पर्यटन सभी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रदर्शनियों के बारे में बात करते हुए, पाटिल ने टीटीएफ जैसे मेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, इन प्रदर्शनियों में ऐसी वस्तुएं प्रदर्शित की जाती हैं जो आमतौर पर प्रदर्शित नहीं होती हैं। वियतनाम जैसे अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित पर्यटकों और टूर ऑपरेटरों को कर्नाटक की सभी विशेषताओं की एक ही स्थान पर जानकारी मिल जाती है। इससे राज्य भर के विरासत स्थलों तक पहुंचने में आगंतुकों को मार्गदर्शन मिलेगा। पाटिल ने कर्नाटक की समृद्ध विरासत के बारे में भी बात की और बताया कि राज्य में 25,000 से अधिक स्मारक हैं, जिनमें हम्पी, बेलूर, बादामी, पट्टाडकल और पश्चिमी घाट के क्षेत्र जैसे विश्व धरोहर स्थल शामिल हैं। यूनेस्को की संभावित सूची में लकुंडी, दक्कन, सोमनाथ, गरज, बीजापुर, श्रीरंगपट्टनम, मैसूरु और हालेबीडू जैसे अन्य स्थल भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, इस समृद्ध विरासत के बावजूद, कर्नाटक में पर्यटन को पारंपरिक रूप से कम बढ़ावा दिया गया है।

राज्य की सहायता के संबंध में पाटिल ने कहा, बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन दिए गए हैं, लेकिन हमारी नीतियों को पूरी तरह से लागू करने के लिए अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है। बाबा और सकत जैसे अनुभवी आयोजकों और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में लक्षित सहायता के साथ अगले वर्ष टीटीएफ जैसी पहलों को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने पर्यटकों के लिए बेंगलूरु की प्रवेश द्वार के रूप में भूमिका को और स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, यहां से विरासत स्थलों, होटलों और आकर्षणों से संबंधित जानकारी एकत्रित की जाती है और आगंतुकों के साथ साझा की जाती है। इससे उन्हें हम्पी, बीजापुर, अक्कोडी, बीदर, श्रीरंगपट्टनम, मैसूरु और हालेबीडू जैसे कर्नाटक के अन्य स्थलों को देखने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

पाटिल ने आगे कहा कि वीडियो, प्रदर्शनियाँ और अन्य प्रचार प्रयास कर्नाटक के पर्यटन स्थलों में रुचि जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, हमारी विरासत, इतिहास और दृश्य समृद्धि बेजोड़ है, और प्रदर्शनियों और खुले संग्रहालयों के माध्यम से हम जिज्ञासा पैदा करते हैं जो पर्यटकों को कई स्थलों की ओर आकर्षित करती है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, हालांकि पश्चिम एशिया संघर्ष ने अस्थायी रूप से कुछ अंतरराष्ट्रीय यात्रा को बाधित किया है, कर्नाटक फंसे हुए पर्यटकों की मेजबानी करने, विरासत और विशिष्ट पर्यटन को बढ़ावा देने और घरेलू और विदेशी पर्यटन दोनों को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिससे राज्य के लिए दीर्घकालिक आर्थिक और सांस्कृतिक लाभ पैदा होंगे।

कर्नाटक सरकार के पर्यटन सचिव, डॉ. त्रिलोक चंद्र केवी, आईएएस ने कहा कि यात्रा एवं पर्यटन मेले में अन्य भारतीय राज्यों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित 150 से अधिक संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेते हैं, जिससे कर्नाटक के पर्यटन उत्पादों को व्यापक प्रचार-प्रसार मिलता है। उन्होंने कहा, इससे आने वाले और घरेलू पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलती है और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। कर्नाटक घरेलू पर्यटकों के आगमन में तीसरे स्थान पर है, जहां प्रतिवर्ष लगभग 30 करोड़ पर्यटक आते हैं। बेंगलूरु एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है, जहां विरासत स्थलों, होटलों और आकर्षणों के बारे में जानकारी एकत्रित की जाती है, जिससे पर्यटक हम्पी, बीजापुर, अक्कोडी, बीदर, श्रीरंगपट्टनम, मैसूरु और हालेबीडू जैसे स्थलों का भ्रमण करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं।

उन्होंने सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि मेले में लगे अधिकांश स्टॉल-150 में से 95 प्रतिशतनिजी संचालकों द्वारा संचालित हैं। उन्होंने कहा, कर्नाटक पर्यटन सोसायटी पर्यटन को पर्यटकों के लिए अधिक प्रभावी और लाभदायक बनाने के लिए उनके साथ सहयोग करती है। प्रदर्शनियां अनछुए स्थलों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं और दृष्टिकोण को व्यापक बनाती हैं।

डॉ. त्रिलोक ने वार्षिक चिन्नारा दर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया, जिसके तहत लगभग 20,000 स्कूली बच्चों को कर्नाटक के पर्यटन स्थलों का निःशुल्क भ्रमण कराया जाता है। उन्होंने मंत्री एच.के. पाटिल के साथ अपनी बात समाप्त करते हुए कहा कि कर्नाटक फंसे हुए अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की मेजबानी करने, संग्रहालयों और प्रदर्शनियों के माध्यम से अपनी विरासत को बढ़ावा देने और घरेलू एवं विदेशी पर्यटन दोनों को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिससे राज्य को दीर्घकालिक आर्थिक और सांस्कृतिक लाभ प्राप्त होंगे।

कल्याण कर्नाटक में सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के विकास के लिए आवश्यक कदम : प्रियांक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ग्रामीण विकास, पंचायत राज और आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि राज्य सरकार कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के समग्र विकास और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और जैव प्रौद्योगिकी (बीटी) क्षेत्रों पर विशेष जोर दे रही है।

शुक्रवार को विधान परिषद के प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान, मंत्री ने विधान परिषद सदस्य के.एस. नवीन के एक तीखे प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि सरकार आईटी कंपनियों और स्टार्टअप की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन (केडीईएम) के अनुसार, पिछले 3 वर्षों में कलबुर्गी जिले में लगभग 21 आईटी कंपनियां स्थापित हुई हैं। इनमें से लगभग 18 कंपनियां पहले से ही बेल्लारी के आईटी पार्क में कार्यरत हैं। कर्नाटक के कल्याण क्षेत्र में कुल 72 स्टार्टअप पंजीकृत किए गए हैं और 'एलिवेट' योजना के तहत 20 स्टार्टअप को कुल 4.90 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सरकार इस क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण केंद्र स्थापित कर रही है।

बेंगलूरु के अलावा अन्य जिलों में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए, आईआईएम (इनोवेशन एंड इनोवेशन इन एजुकेशन) के तहत गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, तलकल (कोप्पला), नवोदय इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रायचूर और पृथ्वीवरया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, विजयनगर में इनोवेशन लैब स्थापित किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि कर्नाटक के कल्याण जिले के 7 जिलों में स्थानीय प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए बेल्लारी में 3, बीदर में 2 और कलबुर्गी में 2 नवाचार केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिससे नई कंपनियों के उदय के लिए एक मंच तैयार हुआ है।

छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे : थंगाडगी

बेंगलूरु। बीदर जिले में 23 लड़कियों के और 55 लड़कों के छात्रावास चल रहे हैं। लड़कियों के छात्रावासों और 35 लड़कों के छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण और कन्नड़ एवं संस्कृति मंत्री शिवराज एस. थंगडगी ने बताया कि शेष 20 लड़कों के छात्रावासों में धनराशि उपलब्ध होने पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। विधान परिषद सत्र के दौरान सदस्य डॉ. एम.जी. मुले के एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि छात्रावासों में छात्रों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल शोधक प्रणाली लगाई गई है। 100 छात्राओं की क्षमता वाले एक छात्रावास की स्थापना के लिए एक छात्रावास पर्यवेक्षक/वार्डन, दो रसोइया, 3 सहायक रसोइया और रात्रि रक्षक नियुक्त किए गए हैं। बीदर जिले में 54 छात्र छात्रावासों के लिए नए भवनों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है और यह कार्य प्रगति पर है। उन्होंने यह भी बताया कि 37 छात्र छात्रावासों के भवन मरम्मत कार्यों के लिए 400.18 लाख रुपये की अनुमानित लागत से मंजूरी दे दी गई है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: CN/02/2026
के लिए शुद्धिपत्र - 1
दिनांक: 04.03.2026
ऊपर दिए हुए निविदा सूचना (निविदा सं. 56251090) में आईटम 2.1 विवरण में मात्रा को 338.00 किमी. से 769.00 किमी. तक बढ़ाया गया है।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/निर्माण/
बेंगलूरु छावनी
PUB/997/AAMO/PRB/SWR/2025-26
रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

भीख मांगने वाले गिरोह पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। समाज कल्याण मंत्री डॉ. एच.सी. महादेवप्पा ने कहा कि राज्य में भीख मांगते पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को विधान परिषद सत्र के दौरान सदस्य डॉ. के. गोविंदराज के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि भीख मांगने पर अंकुश लगाने के लिए समाज कल्याण विभाग और पुलिस विभाग से परामर्श करके कार्रवाई की जाएगी।

राज्य में केंद्रीय राहत समिति के तहत कुल 15 शरणार्थी राहत केंद्र हैं, जो बेंगलूरु, बेंगलूरु पूर्व, बेलगाम, बेल्लारी, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, अरवाडा, दक्षिण कन्नड़, कलबुर्गी, कोलार, मैसूरु, रायचूर, शिवमोग्गा, तुमकुर और विजयनगर जिलों में कार्यरत हैं। पिछले तीन वर्षों में राज्य में भिखारियों के पुनर्वास पर 365.17 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। केंद्रीय राहत समिति को शरणार्थियों के कल्याण के लिए एक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र, डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रशिक्षण केंद्र और एक रेडीमेड गारमेंट यूनिट स्थापित करने की सलाह दी गई है। भिखारियों को सम्मानजनक जीवन जीने और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए आधार कार्ड बनवाने और वृद्धावस्था पेंशन, विकलांगता पेंशन और विधवा पेंशन उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों के साथ मिलकर कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

अस्पतालों और छात्रावासों को व्यावसायिक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे : मुनियप्पा

बेंगलूरु। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि अस्पतालों और छात्रावासों को प्राथमिकता के आधार पर व्यावसायिक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। विधान परिषद के शून्यकाल सत्र के दौरान सदस्यों इवान डिसूजा और एम. नागराज यादव द्वारा उठाए गए मुद्दे पर बोलते हुए मंत्री जी ने कहा कि होटल मालिकों को एक सप्ताह तक धैर्य रखना होगा।

आज तेल कंपनियों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक हुई और सुझाव दिए गए। फिलहाल व्यावसायिक उपयोग के लिए गैस की आपूर्ति में समस्या है, जिसे एक सप्ताह के भीतर हल कर लिया जाएगा। तब तक होटल मालिक बिजली का उपयोग कर सकते हैं।

यादगीर में व्यावसायिक तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे 46 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यादगीर। कर्नाटक के यादगीर में एक विशेष निरीक्षण अभियान के दौरान होटलों में व्यावसायिक तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे 46 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कई होटलों का निरीक्षण करने के बाद ये सिलेंडर जब्त किए। उपायुक्त हर्षल भोयर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घरेलू सिलेंडर का इस्तेमाल खाना पकाने के बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम और एलपीजी आपूर्ति नियमों का उल्लंघन है।उन्होंने बताया, विशेष अभियान के दौरान घरेलू उपयोग वाले ऐसे 46 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए, जिनका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। अधिकारी ने जिले के निवासियों से घरेलू एलपीजी की कमी को लेकर नहीं घबराने की अपील की। भोयर ने कहा कि प्रशासन एलपीजी सिलेंडर के अवैध उपयोग को रोकने के लिए ऐसे विशेष अभियान जारी रखेगा और घरेलू उपयोग वाले सिलेंडर का दुरुपयोग पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: 26-SNT-MYS-2025
दिनांक: 09.03.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मैसूरु विभाग पर	रु. 2,77,05,044.59

नॉन-इंटरलॉक्ड लेवेल क्रॉसिंग गेटों पर सीसीटीवी निगरानी व्यवस्थाओं का प्रावधान।
निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 31.03.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/मैसूरु
PUB/992/AAMO/PRB/SWR/2025-26
रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

'दान से लाभ' थीम पर मनाया केनरा बैंक ने महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कैनरा बैंक सर्किल ऑफिस ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को दान से लाभ की थीम के साथ धूमधाम से मनाया, जिसमें उदारता, मार्गदर्शन और सामुदायिक योगदान के माध्यम से सशक्तिकरण पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में महिला नेताओं, कर्मचारियों और अतिथियों को सामूहिक विकास और सामाजिक योगदान के लिए प्रेरित करने हेतु एक साथ लाया गया। कैनरा बैंक की पूर्व कर्मचारी, प्रख्यात पर्यावरणविद्, उद्यमी और परोपकारी रेवती कामथ ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। अपने मुख्य भाषण में, उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, उद्यमशीलता और परोपकार के माध्यम से समाज को वापस देने के तरीकों पर प्रकाश डाला, जिससे स्थायी व्यक्तिगत और सामुदायिक लाभ प्राप्त होते हैं, और उपस्थित लोगों से सतत नेतृत्व को अपनाने का आग्रह किया।

केनरा बैंक की मुख्य महाप्रबंधक आर. अनुराधा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में बैंक की लैंगिक विविधता और महिलाओं के व्यावसायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने केनरा बैंक के डिजिटल परिवर्तन और ग्राहक-केंद्रित पहलों को आगे बढ़ाने में महिलाओं की भूमिका की सराहना की।

सर्कल हेड महेश एम. पाई ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत की और प्रतिभागियों की सराहना करते हुए विषय को सुदृढ़ करते हुए कहा, 'बैंकिंग और उससे परे, ज्ञान, अवसर और समर्थन प्रदान करने से हमारी सामूहिक शक्ति कई गुना बढ़ जाती है - वास्तविक लाभ साझा प्रगति से ही प्राप्त होते हैं।' इस कार्यक्रम में प्रेरक वार्ताएं, कार्य-जीवन संतुलन और कौशल विकास पर इंटरैक्टिव कार्यशालाएं, महिला कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और समूह की उत्कृष्ट महिला उपलब्धि हासिल करने वालों का अभिनंदन शामिल था।

बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने विषय के अनुरूप कार्यों का संकल्प लिया, जिनमें मेंटरिंग कार्यक्रम और सामुदायिक आउटरीच शामिल हैं।

केन्द्रीय रेशम बोर्ड
वस्त्र मंत्रालय MINISTRY OF TEXTILES
(वस्त्र मंत्रालय - भारत सरकार)
केरेबो कॉम्प्लेक्स, बीटीएम लेआउट, मडिवाला, बेंगलूरु - 560 068
website: www.csb.gov.in
विज्ञा सं.केरेबो/स्था.02/2026 दिनांक: 14.03.2026
संक्षिप्त विज्ञापन
रेशम उत्पादन सहायकों की नियुक्ति (संविदा आधार पर): केंद्रीय रेशम बोर्ड (केरेबो), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, बेंगलुरु स्थित इकाइयों में तैनाती हेतु पूर्णतः संविदा आधार पर रेशमउत्पादन सहायक के पदों पर नियुक्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।
इच्छुक अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे विस्तृत विज्ञापन केंद्रीय रेशम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट (www.csb.gov.in) पर देखें तथा केरेबो की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक https://csb-hiring.in/ के माध्यम से ही सिर्फ ऑनलाइन आवेदन करें। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13.04.2026 है।
नोट: यह एक स्थायी या अस्थायी सरकारी पद नहीं है। नियुक्ति विशुद्ध रूप से संविदात्मक है और नियमितीकरण या आमेलन के लिए कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है।
ह
सीबीसी: 41109/12/0025/2526 सक्षम प्राधिकारी

कांग्रेस ने ओडिशा के पार्टी विधायकों को राज्यसभा चुनाव से पहले बेंगलूरु भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस ने 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव से पहले ओडिशा के अपने कुछ विधायकों को 'क्रॉस-वोटिंग' की आशंका के मद्देनजर बेंगलूरु भेज दिया है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, पार्टी की ओडिशा इकाई के लगभग आठ विधायकों को बृहस्पतिवार देर रात भुवनेश्वर से विमान से बेंगलूरु ले जाया गया और उन्हें शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक रिजॉर्ट में ठहराया गया है। सूत्रों ने बताया कि ओडिशा से छह और पार्टी विधायक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ आज रात बेंगलूरु पहुचेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि यह कदम चुनाव से पहले विधायकों को एकजुट रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा राज्यसभा सीट के लिए दूसरा उम्मीदवार उतारे जाने के बाद राज्य में राजनीतिक उठापटक तेज हो गई है जिसके बाद एहतियात के तौर पर यह फैसला किया गया। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा, विधायकों को प्रभावित करने की कोशिशों और क्रॉस-वोटिंग' की आशंका को लेकर चिंताएं थीं। पार्टी नेतृत्व ने मतदान तक उन्हें एहतियात के तौर पर राज्य से बाहर रखने का फैसला किया है।'' कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा, शुक्रवार रात तक छह और विधायकों एवं प्रदेश पार्टी अध्यक्ष के बेंगलूरु पहुंचने की संभावना है।''

ओडिशा विधानसभा में कांग्रेस के फिलहाल 14 विधायक हैं और उसे अपने राज्यसभा उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी नेतृत्व को चुनाव से पहले विभिन्न पार्टियों के विधायकों के साथ संभावित राजनीतिक सौदेबाजी और प्रलोभनों का डर है।

ऐसा बताया जा रहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने विधायकों के ठहरने की व्यवस्था की है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार बेंगलूरु में उनके ठहरने की व्यवस्था देख रहे हैं। ओडिशा के कांग्रेस विधायक इस समय बेंगलूरु से करीब 35 किलोमीटर दूर एक रिजॉर्ट में ठहरे हुए हैं। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, विधायक संभवत: सोमवार सुबह तक वहीं रहेंगे और फिर वे राज्यसभा चुनाव के मतदान में भाग लेने के लिए भुवनेश्वर लौटेंगे। शिवकुमार ने बेंगलूरु में पत्रकारों से कहा कि वह उन्हें नहीं लाए हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी नेतृत्व उनसे जो भी करने को कहेगा, वह करेंगे।

राज्यसभा चुनाव से पहले क्रॉस-वोटिंग की आशंकाओं के बीच, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने ओडिशा कांग्रेस विधायकों को बेंगलूरु बुलाने से इनकार किया है, हालांकि उन्होंने उनके एक रिसॉर्ट में ठहरने की पुष्टि की। शिवकुमार ने इसे 'रिसॉर्ट राजनीति' का हिस्सा बताते हुए कहा कि पार्टी के निर्देश पर सहयोगियों की देखभाल करना उनका कर्तव्य है और वे सत्र के बाद उनसे मिलेंगे।

सार्वजनिक सूचना
मैसर्स जागालूरु सोलर पावर प्राइवेट लिमिटेड (JSPPL), जिसका पंजीकृत कार्यालय 65, सरदार पटेल मार्ग, सी स्कीम, अशोक नगर, जयपुर, राजस्थान, भारत, पिन - 302001 में स्थित है, भारत सरकार को विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत विद्युत ट्रांसमिशन के लिए विद्युत लाइनों अथवा विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए अथवा टेलिफोन या टेलीग्राफिक संचार के उद्देश्य से कार्यों के उचित समन्वय के लिए आवश्यक वें सभी शक्तियां प्रदान करने के लिए आवेदन करने की इच्छुक है, जो टेलीग्राफ प्राधिकरण द्वारा भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत सरकार द्वारा स्थापित किये गए या बनाये गए या स्थापित किये जाने वाले या बनाए जाने वाले टेलीग्राफ के उद्देश्य से टेलीग्राफ लाइनों और पोस्टों की स्थापना के सम्बन्ध में धारित हैं, और निम्नलिखित ट्रांसमिशन योजना के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, संस्थापन, निरीक्षण, उत्थापन और अन्य कार्य के पश्चात कमीशनिंग, प्रचालन, अनुरक्षण और अन्य कार्य करेगी:
ट्रांसमिशन योजना का नाम: "कर्नाटक के तुमाकुरु में सोलर पावर प्रोजेक्ट्स के लिए मैसर्स जागालूरु सोलर पावर प्राइवेट लिमिटेड को 300 मेगावाट की कनेक्टिविटी (आवेदन संख्या 2200001061)
प्रदान करने के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली :"योजना के अंतर्गत ट्रांसमिशन लाइन का नाम: जागालूरु सोलर पावर प्राइवेट लिमिटेड का जनरेशन पूलिंग स्टेशन गाँव दृ गंगासागरा, तालुका - पाभागादा, जिला- तुमाकुरु, कर्नाटक में स्थित - तुमकुर -II पीएस 220 केवी एस/सी लाइन (डी/सी टावरों पर)।
लाइन की लम्बाई लगभग 15 किमी है ।
उपरोक्त शिरोपरि ट्रांसमिशन लाइन प्रस्तावित रूट के आधार पर निम्नलिखित गाँवों, कस्बों और शहरों से, उनके बीच से, ऊपर से और आसपास से होकर गुजरेगी :

क्रम सं.	गाँव	तालुका	जिला	राज्य
1	तालामरदाहाल्ली, गंगासागरा, कनिकालाबंदे, वीराममानाहल्ली, पलुभाल्ली, तिम्मापुरा, कदामलाकुंते, श्रीरंगापुर, केन्चागनहल्ली, पोन्नसामुद्रा, कडापलाकेरे, अच्चम्मानाहल्ली, बोम्मात्तानाहल्ली, पाभागादा, राप्पम	पाभागादा	तुमाकुरु	कर्नाटक

रूट सरेखण की प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में निरिक्षण हेतु उपलब्ध है आम जनता के इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि वह ट्रांसमिशन लाइन के प्रस्ताविट के संबध में अपनी टिप्पणी/ प्रतिवेदन नोटिस के प्रकाशन के तिथि से दो माह के अंदर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते है।
अधिक विवरण और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें: वैभव रूंगटा, मुख्य व्यवसाय अधिकार: जागालरू सोलर पावर प्राइवेट लिमिटेड, 65, सरदार पटेल मार्ग, सी स्कीम, अशोक नगर, जयपुर, राजथान, भारत, पिन - 302001- ईमेल: vaibhav.roongta@rayspowerinfra.com. फोन: 0141-4038767

बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस का 'हल्ला बोल', चूल्हे पर खाना बनाकर जताया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतों और केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ शुक्रवार को जोधपुर शहर एवं देहात जिला कांग्रेस कमेटी ने मोर्चा खोल दिया। नई सड़क स्थित राजीव गांधी प्रतिमा के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विशाल धरना-प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान शहर जिला महिला कांग्रेस ने सड़क पर चूल्हा जलाकर और उस पर खाना बनाकर अनोखा विरोध दर्ज कराया। महिला नेताओं ने भाजपा की वरिष्ठ नेत्रियों पर तंज कसते हुए पूछा कि जब कांग्रेस सरकार में मामूली दाम बढ़ते थे, तब वे सिलेंडर लेकर सड़क पर बैठती थीं, लेकिन आज जब आम जनता का बजट बिगड़ गया है, तो वे खामोश क्यों हैं? शहर जिलाध्यक्ष ओंकार वर्मा ने कहा कि केंद्र की नीतियों के कारण जनता महंगाई की चक्की में पिस रही है। भोपालगढ़ विधायक और देहात जिलाध्यक्ष गीता बरवड़ ने कहा कि घरेलू गैस के दाम बढ़ाकर सरकार ने आम आदमी के मुंह का निवाला छीनने का काम किया है। पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह सोलंकी ने केंद्र को 'पूंजीपतियों की सरकार' करार दिया, वहीं पूर्व महापौर कुंती देवड़ा ने सरकार पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में जोधपुर लोकसभा प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा, हीरालाल मुंडेल, पूर्व अध्यक्ष नरेश जोशी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि कीमतें कम नहीं हुईं, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं डोटासरा : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने बृहस्पतिवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। बेढम ने कहा कि राज्य सरकार आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा, डोटासरा राजस्थान की जनता को भ्रमित करने के अवसर तलाशते रहते हैं और विकास से ज्यादा उनका ध्यान राजनीतिक लाभ पाने पर है। ऐसे समय में ओछी राजनीति करना अस्वीकार्य है।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी निष्ठा के साथ आम जनता के कल्याण के लिए काम कर रही है। बेढम की यह प्रतिक्रिया डोटासरा के उस बयान पर आई है जिसमें उन्होंने एलपीजी गैस आपूर्ति बाधित होने को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों पर हमला बोला था। डोटासरा ने कहा था कि केंद्र और राज्य सरकारें स्थिति संभालने में विफल रही हैं और लोगों को संकट से खुद निपटने के लिए छोड़ दिया है। उन्होंने कहा था, जैसे नोटबंदी के दौरान लोगों को कतारों में खड़ा किया गया था, वैसे ही अब गैस सिलेंडर के लिए कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने भी डोटासरा पर निशाना साधते हुए उनके बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताया और आरोप लगाया कि वे जनता में घबराहट फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, लेकिन जनप्रतिनिधियों की नैतिक जिम्मेदारी भी होती है कि वह विशेषकर मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने पर जिम्मेदारी से बयान दें।

उन्होंने कहा, वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण पेट्रोल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस जैसी पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर दबाव है, लेकिन राजस्थान में किसी तरह की कमी या कालाबाजारी देखने को नहीं मिली है। राठौड़ ने यह भी कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस सरकार को राज्य में संकट से निपटने में सहयोग दिया था।

खान विभाग ने अधिकारियों से कहा, राजस्व की पूर्ण प्राप्ति सुनिश्चित करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के खान विभाग ने 'फील्ड' अधिकारियों को मार्च महीने के लिए तय किए गए राजस्व संग्रह लक्ष्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया है। खान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने बताया कि विभाग ने मार्च महीने में 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, रविकांत ने बृहस्पतिवार को विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इसमें उन्होंने 'फील्ड' अधिकारियों को मार्च महीने के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा 10 मार्च तक 9135 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व संग्रहण किया गया है जो गत वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 936 करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने बताया कि विभाग ने बीते तीन महीनों दिसंबर, जनवरी और फरवरी में बेहतर वृद्धि दर के साथ राजस्व संग्रहण किया है।

फरवरी में 1060 करोड़ रुपये का रिकार्ड राजस्व संग्रहण किया है। रविकांत ने कहा, आगामी दिनों के लिए खाका तैयार कर लिया गया है और इसे सभी 'फील्ड' अधिकारियों के साथ साझा किया गया है। राजस्व लक्ष्यों को प्राप्त करने में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि जब भी परिवहन विभाग खनिजों से भरे वाहनों की जांच करें, तो खान विभाग को सूचना भेजी जाए ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि वाहनों के पास वैध परमिट हैं और वे अनुमत मात्रा के भीतर ही खनिजों का परिवहन कर रहे हैं।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में आंधी-बारिश की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम में बदलाव से राजस्थान के कुछ हिस्सों में शनिवार से आंधी चलने व हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है जिससे आगामी एक-दो दिन आंशिक तौर पर बादल छाए रह सकते हैं तथा तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। वहीं 14-15 मार्च को अजमेर, जयपुर, भरतपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिले, गंगानगर, हनुमानगढ़ जिलों व आसपास के क्षेत्र में कहीं-कहीं हल्की आंधी-बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। इसी तरह एक और नए पश्चिमी विक्षोभ के 19-21 मार्च के दौरान सक्रिय होने तथा कहीं-कहीं आंधी-बारिश होने का अनुमान है।

शुक्रवार सुबह तक के चौबीस घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा और अधिकतम तापमान कोटा में 39.8 डिग्री व बाड़मेर में 39.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को रैंकिंग सुधारने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को फ्लैगशिप योजनाओं एवं बीस सूत्री कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने की। बैठक में विगत बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना रिपोर्ट, विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की विभागवार प्रगति तथा बीस सूत्री कार्यक्रम की स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में जिला कलक्टर ने नवीन परिवारों को एनएफएसए से लाभान्वित करने की योजना के तहत जिला रसद अधिकारी (शहरी एवं ग्रामीण) को निर्देश दिए कि योजना की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से उपखण्ड अधिकारियों एवं नगर निगम के उपायुक्तों के साथ साझा करते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग करें तथा मार्च 2026 में जिले की रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित करें।

मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि बैठक में ऊर्जा विभाग की कुसुम योजना एवं संशोधित वितरण क्षेत्र योजनाओं की प्रगति में सुधार लाने तथा अंतर्विभागीय समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। महिला अधिकारिता विभाग की लाडो प्रोत्साहन योजना में राज्य स्तरीय रैंकिंग 37वीं होने पर जिला कलक्टर ने असंतोष व्यक्त करते हुए मार्च 2026 तक रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण कार्यों में तेजी लाकर मार्च 2026 तक जिले की रैंकिंग में सुधार करने के निर्देश दिये गए हैं। जिला कलक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में जिले की स्थिति संतोषजनक नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाकर रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के अंतर्गत गवर्नेंस में राज्य स्तरीय 39वीं रैंक होने पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया तथा संबंधित अधिकारियों को तीन दिवस में विद्यालयों में ऑफिस विजिट के निर्धारित लक्ष्य पूरे करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं अटल प्रगति पथ योजना के शेष कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ करवाकर प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने क्षेत्रीय उपनिदेशक, स्वायत्त शासन विभाग को संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र प्रगति सुनिश्चित करने तथा नगरीय निकायों से संबंधित योजनाओं की समीक्षा कर मार्च 2026 तक सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मिशन हरियालो राजस्थान में लक्ष्य के अनुरूप कार्य किया जा रहा है, फिर भी अन्य जिलों की तुलना में बेहतर प्रगति के लिए और प्रयास करने की आवश्यकता है।

जल जीवन मिशन एवं अमृत योजना की प्रगति पर भी जिला कलक्टर ने असंतोष व्यक्त करते हुए मार्च 2026 तक कार्यों में तेजी लाकर रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में जिले की राज्य स्तरीय रैंकिंग 24वीं होने पर संबंधित विभागों को कार्ययोजना बनाकर मार्च 2026 तक प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, जनता और सरकार के बीच संवाद का मजबूत सेतु : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। वे जनता और सरकार के बीच संवाद का एक मजबूत सेतु है। पत्रकारों पर समाज को विश्वास होता है तथा पत्रकार सदैव जनहित के मुद्दे सामने लाकर समाज को जागरूक करते हैं। जब मीडिया निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ काम करता है तो लोकतंत्र और मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट में पत्रकारों के कल्याण के लिए अनेक निर्णय लिए गए हैं। हमारी सरकार पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा एवं उनके हितों के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेशभर के पत्रकारों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी मेहनत और समर्पण के साथ निरंतर कार्य करते हैं। वे जनहित की खबरों को जनता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। आज के दौर में पत्रकारों का योगदान और भी बढ़ गया है। सूचना के इस युग में पत्रकार सही एवं विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए प्रदेश में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है।

विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को आधार मानकर ग्राम पंचायतों से लेकर नगर निकायों तक के समग्र विकास का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा पानी जैसी बुनियादी सुविधा को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, देवास परियोजना, यमुना जल समझौता, आईजीएनपी, गंगनहर, माही सहित परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। साथ ही, प्रदेश मेंबिजलीतंत्र को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। राजस्थान में आज 22 जिलों में दिन में बिजली दी जा रही है, 2027 तक सभी जिलों में दिन में बिजली देने के लिए हम संकल्पित हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर दिए जा रहे हैं। हमारी सरकार युवाओं को 4 लाख सरकारी क्षेत्र में एवं 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। अब तक 1 लाख 25 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी है। 1 लाख 33 हजार भर्ती प्रक्रियाधीन हैं तथा 1 लाख से ज्यादा पदों का भर्ती कैलेण्डर जारी किया जा चुका है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पत्रकारों से व्यक्तिशः संवाद किया और उनके सुझावों को भी सुना तथा उनकी सभी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।पत्रकारों ने इस वर्ष के बजट में राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजनाके अंतर्गत दी जाने वाली सम्मान राशि को 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह करने के साथ ही राजस्थान आवासन मंडल के माध्यम से जयपुर में आवासीय योजना लाये जाने की घोषणा सहित अन्य पत्रकार कल्याण के कार्यों के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

राजस्थान-गुजरात सीमा पर धनेरा के पास बस में आग लगने से यात्री घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान-गुजरात सीमा पर शुक्रवार सुबह एक निजी बस में भीषण आग लग गई, जिससे एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया और यात्री सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई। अन्य यात्रियों को तेजी से सुरक्षित निकाला गया, जिससे कोई बड़ी त्रासदी टल गई।

रिपोर्ट के अनुसार, नचना और अहमदाबाद को जोड़ने वाली हाल ही में शुरू की गई एक निजी बस सेवा शुक्रवार सुबह बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बच गई। बस केवल अपने तीसरे दिन ही परिचालन में थी जब धनेरा के पास नेनावा क्षेत्र में इसके एसी यूनिट में शॉर्ट सर्किट हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जहरीली धुआं जल्द ही बस के अंदर फैल गया और कुछ ही क्षणों में आग फैल गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। चालक और कंडक्टर की तत्परता के कारण सभी यात्रियों को तुरंत वाहन से निकाला गया। हालांकि, इस अफरातफरी के बीच एक यात्री चोट लगने व जलने से घायल हो गया और उसे तुरंत धनेरा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। आग इतनी तीव्र थी कि बस मिनटों में गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का मूल्यांकन किया। घायल यात्री को धनेरा में प्राथमिक उपचार के बाद पलानपुर रेफर किया गया।

डॉक्टरों के अनुसार, यात्री की स्थिति गंभीर है। कई अन्य यात्रियों को हल्की चोटें आईं और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। स्वागत ट्रेवल्स के ऑपरेटर निर्मल रायानी ने कहा कि नचना और अहमदाबाद के बीच बस सेवा हाल ही में शुरू की गई थी।

कलाएं रहेंगी, तभी संस्कृति जीवित रहेगी : खराड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी शुक्रवार को सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) सभागार में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग तथा माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय नेशनल ट्राईबल भित्ति चित्र एवं माण्डना कला कार्यशाला के शुभारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। खराड़ी ने देश भर से आए जनजाति कलाकारों का स्वागत किया। उन्होंने भित्ति चित्र, मांडना और जनजातीय कला जैसी परंपराएं केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और जीवन मूल्यों की धरोहर हैं। खराड़ी ने कहा कि सरकार और समाज दोनों को मिलकर ऐसे प्रयास करने होंगे, जिससे कलाकारों को प्रोत्साहन मिले और आने वाली पीढ़ियां भी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी रह सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऐसे हालात बन रहे हैं, जिससे संस्कार और संस्कृति का क्षरण हो रहा है। इस तरह की कार्यशालाएं इन कलाओं को पुनर्जीवित करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम सिद्ध हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कलाएं रहेंगी तभी संस्कृति जीवित रहेगी। इसलिए इन कलाओं का संरक्षण करना आवश्यक है।

तकनीकी शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों का समावेश अनिवार्य : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि तकनीकी शिक्षा में 'तकनीक' प्रधान हो सकती है, लेकिन इसका अंतिम लक्ष्य 'मनुष्यता का विकास' होना चाहिए। देवनानी बीकानेर में शुक्रवार को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय (बीटीयू) के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस गरिमामय अवसर पर कुलगुरु ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए 'विद्या वाचस्पति' की मानद उपाधि से भी विभूषित किया। साथ ही राज्यपाल और कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे के संबोधन का वाचन किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने ड्डवर्तमान दौर की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैट जीपीटी जैसे संसाधनों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एआई कार्यों को सुगम जरूर बना सकती है, लेकिन यह

कभी भी मानव मस्तिष्क और उसकी संवेदनशीलता का विकल्प नहीं बन सकती। उन्होंने विद्यार्थियों को आगाह किया कि केवल मशीनी ज्ञान पर निर्भरता घातक हो सकती है; असली मेधा मनुष्य के मौलिक चिंतन और विवेक में ही निहित है।

देवनानी ने ऋग्वेद के मंत्र 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें विश्व भर के श्रेष्ठ विचारों को अपनाना चाहिए। आईटी उन्होंने ऋषि कणाद, आर्यभट्ट और कौटिल्य जैसे विद्वानों का उदाहरण देते हुए बताया कि भारत की ज्ञान परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। उन्होंने नई शिक्षा नीति (एनईपी) की सराहना करते हुए कहा कि कौशल विकास और व्यावहारिक ज्ञान ही 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने का सबसे बड़ा मंत्र है।

हेमंत सोरेन ने झारखंड में 12 आधुनिक थानों की आधारशिला रखी

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को विधानसभा परिसर से डिजिटल तरीके से 12 आधुनिक थानों की आधारशिला रखी। सोरेन ने राज्य भर के विभिन्न थानों के लिए 636 चार पहिया वाहनों और 849 दो पहिया वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''पुलिस बल राज्य में अपराध कम करने और कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल से निगरानी तंत्र मजबूत होगा।'' अधिकारियों ने बताया कि 12 नए थाने एकीकृत परिसर होंगे, जिनमें महिला थाने, साइबर थाने और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति थाने होंगे तथा वे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। सोरेन ने दावा किया कि झारखंड पुलिस ने हाल के महीनों में कई बड़े मामलों को सुलझाया है और दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है।

पुत्र पैदा होने की दवा देने के बहाने विवाहित महिला से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

पीलीभीत (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में कथित तौर पर तंत्र-मंत्र करने वाले एक व्यक्ति ने एक विवाहित महिला को पुत्र पैदा होने की दवा देने के बहाने दुष्कर्म किया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मामला दर्ज करके आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। पूरनपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) डॉ. प्रतीक दहिया ने पत्रकारों को बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर दुष्कर्म और अन्य संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करके आरोपी बाबा भगवानदीन को हिरासत में ले लिया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी भी विवाहित है।

घुघचिहाई थाना पुलिस के अनुसार क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि वह अपनी 23 वर्षीय पत्नी को बलरामपुर गांव के निवासी बाबा भगवानदीन के घर पर लेकर गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बाबा ने पत्नी को पुत्र पैदा होने का झांसा देते हुए दवा देने की बात कही थी। तहरीर के अनुसार आरोप है कि 11 मार्च को पूर्वान्ह लगभग 11 बजे आरोपी पूजा पाठ कराने के बाद दवा देने के बहाने महिला को ग्राम बिलंदपुर अशोक में अपने एक रिश्तेदार के घर लेकर गया, वहां परिवार के सदस्यों को घर के बाहर कर दिया और महिला को कमरे में ले जाकर दवाई देने के बहाने जबरन दुष्कर्म किया। पुलिस के अनुसार परिजन महिला को आरोपी के पास से घर लेकर आए और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया।

नमामि गंगे अपेक्षित परिणाम देने में विफल रही : कैग

देहरादून/भाषा। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार गंगा को साफ करने के उद्देश्य से एक दशक से भी अधिक समय पहले शुरू किया गया केंद्र का महत्वपूर्ण 'नमामि गंगे' कार्यक्रम उत्तराखंड की कार्यान्वयन एजेंसियों की विफलता के कारण वांछित परिणाम नहीं दे पाया। प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में जारी बजट सत्र के दौरान पेश की गई इस रिपोर्ट में सीएजी ने कहा कि 2018 से 2023 के दौरान जब कार्यक्रम का प्रदर्शन ऑडिट किया गया था, तब केंद्र ने राज्य की भाजपा सरकार के तहत नमामि गंगा परियोजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए 1,000 करोड़ रुपए की धनराशि उपलब्ध कराई थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र सरकार के वित्तपोषित वाली इस परियोजना में अवजल शोधन संयंत्र (एसटीपी) के दोषपूर्ण डिजाइन, अवसंरचना का खराब रखरखाव, गंगा में पानी छोड़ने वाले नालों की टैपिंग न होना, नदियों और छोटी जलधाराओं के पास कूड़ा फेंके जाने जैसी कई अनियमितताएं पाई गई हैं। कैग ने पाया कि गंगा के लिए वानिकी हस्तक्षेप (एफआईजी) संबंधी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में 885.91 करोड़ रुपएपये का बजटीय प्रावधान और 54,855.43 हेक्टेयर वृक्षारोपण शामिल था लेकिन इसके विपरीत केवल 144.27 करोड़ रुपए यानी 16 प्रतिशत ही खर्च किया गया जिसके परिणामस्वरूप भौतिक प्रगति धीमी रही और गंगा पुनरुद्धार से संबंधित विशिष्ट उद्देश्यों को पूरा करने में यह योजना विफल रही। कैग द्वारा 2023 में निरीक्षण किए गए 44 एसटीपी में से केवल तीन से पांच ही राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के मानदंडों के अनुरूप पाए गए जबकि छह से 12 ही पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय(एमओईएफ) और अन्य मानदंडों के अनुरूप पाए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे व्यापक गैर-अनुपालन और निम्न स्तर के सीवेज उपचार का पता चलता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके कारण नमामि गंगे परियोजना को भारी नुकसान हुआ।

सीतारमण ने उप्र के सांसद से कहा: चंद्रशेखर 'रावण' नहीं, चंद्रशेखर 'विदुर' नाम रखिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में शुक्रवार को कुछ हल्के-फुल्के अंदाज में उत्तर प्रदेश के नगीना निर्वाचन क्षेत्र से आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सांसद को अपना नाम चंद्रशेखर 'रावण' की जगह चंद्रशेखर 'विदुर' रखने की सलाह दी।

मंत्री ने कहा कि 'महाभारत' में एक बहुत सम्मानित व्यक्तित्व हैं, जिनका नाम विदुर है और जिनकी विद्वता का सभी लोग सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हाल में पता चला है कि विदुर ने अपने जीवन का आखिरी समय बिजनौर में बिताया था। सीतारमण ने सदस्यों से आग्रह करते हुए कहा कि वह एक हल्की-फुल्की बात बोल रही हैं और उन्हें इसके लिए गलत नहीं समझा जाए। उन्होंने कहा, ''चंद्रशेखर जी ने अपने नाम में 'रावण' का नाम जोड़ा है...जबकि विदुर काफी विद्वान माने जाते हैं और महाभारत के एक बढ़िया पात्र हैं। (इसलिए) विदुर का नाम जोड़िये, रावण का क्यों?'' इसके बाद, उन्होंने हाथ जोड़कर नगीना के सांसद की ओर देखते हुए उन्हें चंद्रशेखर 'विदुर' कहकर संबोधित किया, जिसके बाद सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भी इस शब्द को दोहराया। वित्त मंत्री द्वारा हल्के-फुल्के अंदाज में यह टिप्पणी किए जाने के बाद, अपनी सीट पर बैठे चंद्रशेखर, उनके पास बैठे तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और अन्य विपक्षी सदस्य भी हंसते नजर आए। सीतारमण की इस टिप्पणी पर पूरे सदन में उस वक्त हल्का-फुल्का माहौल देखने को मिला, जब ''एलपीजी संकट'' के कारण विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, वित्त मंत्री विपक्ष पर लगातार निशाना साध रही थीं। सीतारमण ने उल्लेख किया कि नगीना के सांसद चंद्रशेखर ने कहा है कि उनके साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। नगीना लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में स्थित है। सीतारमण ने चंद्रशेखर के ''सौतेला व्यवहार किए जाने'' संबंधी आरोप का जवाब देते हुए, केंद्र की विभिन्न योजनाओं के तहत बिजनौर जिले में किए गए कल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी।

असम चाय बागान श्रमिकों को जमीन के पट्टे देकर ऐतिहासिक अन्याय को खत्म कर रहा है : नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि चाय बागान के श्रमिकों को भूमि अधिकार देकर भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार इस समुदाय के प्रति हो रहे 'ऐतिहासिक अन्याय' को समाप्त कर रही है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने अपने कार्यकाल में चाय बागान श्रमिकों की कभी सुध नहीं ली।

प्रधानमंत्री ने यहां एक रैली में कहा, ''हमने उन्हें जमीन के पट्टे दिए हैं। चाय बागान श्रमिकों के साथ ऐतिहासिक अन्याय को समाप्त करने के लिए मैं असम सरकार को बधाई देता हूं।'' मोदी ने रस्मी तौर पर तीन-चार चाय बागान श्रमिकों के परिवार को पट्टे सौंपकर ऐसे 28,241 परिवारों को भूमि अधिकार देने की प्रक्रिया की शुरुआत की। उन्होंने कहा, ''दरअसल, मैं सभी चाय बागान श्रमिकों को भूमि पट्टे देकर अपना ऋण चुका रहा हूं। मैं इस मुकाम तक चाय बेचकर ही पहुंचा हूं, जो आपके द्वारा उगायी गई और भेजी गई थी। मुझे आपका आशीर्वाद प्राप्त है।'' उन्होंने कहा कि असम सभी पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक आदर्श बन रहा है और पिछले 10 वर्षों में इसका विकास पश्चिम बंगाल पर अपनी छाप छोड़ रहा है, क्योंकि वहां के लोग 'इस बार भाजपा सरकार' चाहते हैं। असम और पश्चिम बंगाल में अप्रैल में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। मोदी ने कहा, ''हमने अपने किसानों को कोविड-19 और युद्ध जैसी वैश्विक घटनाओं से सुरक्षित रखा है। हमने किसान भाइयों को राहत देने के लिए उर्वरक सब्सिडी के रूप में 12 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं।''

प्रधानमंत्री ने बिना स्पष्ट किए कहा कि कांग्रेस 'पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की स्थिति के बीच भी' गलत सूचना फैला रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रखा, लेकिन राजग सरकार ने धीरे-धीरे इसे बदल दिया।

पश्चिम एशिया संघर्ष से सबक लेकर भारत हवाई रक्षा प्रणाली को अत्यंत मजबूत करे : पूर्व वायुसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहने के बीच, भारतीय वायुसेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी (सेवानिवृत्त) ने कहा है कि भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण सीख यह है कि उसे अधिक अस्त्र प्रणालियों, रडारों और अन्य अभियानगत क्षमताओं के साथ एक ''अत्यंत मजबूत हवाई रक्षा'' का निर्माण करने की आवश्यकता है।

बृहस्पतिवार को यहां एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पीटीआई-भाषा से बातचीत के दौरान चौधरी ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया संघर्ष में ड्रोन के उपयोग का जिक्र किया और कहा कि वे भविष्य के किसी भी संघर्ष में बड़ी भूमिका निभाने जा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि अभी ''हमें अपना सारा भरोसा केवल ड्रोन पर नहीं रखना चाहिए''। पूर्व वायुसेना प्रमुख ने कहा, ''हां, वे मौजूदा प्रयासों में सहायक होंगे, लेकिन हम युद्ध जीतने के लिए पूरी तरह से ड्रोन पर निर्भर नहीं रह सकते।'' अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमलों की शुरुआत की थी। जवाब में ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मौजूदगी वाले कई खाड़ी देशों पर हमला किया, जिससे वैश्विक विमानन संचालन और तेल की कीमतों पर असर पड़ा तथा गंभीर ऊर्जा संकट उत्पन्न हो गया है। भारत व पड़ोसी देशों के रक्षा एवं रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ बुधवार से शुरू हुए तीन दिवसीय सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

पश्चिम एशिया संकट को लेकर सिंधिया ने कांग्रेस की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान ''नकारात्मक सोच'' के लिए शुक्रवार को कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि देश के नागरिक सरकार के साथ खड़े हैं जबकि विपक्षी कांग्रेस आरोप लगाने की राजनीति कर रही है।

केंद्रीय संचार मंत्री नेयहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सफल कूटनीति के कारण भारत के लिए तेल ला रहा एक जहाज युद्धग्रस्त होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने में कामयाब रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से बात करके पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की थी और क्षेत्र में तनाव बढ़ने पर गहरी चिंता जताई थी। उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति से कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ वस्तुओं और ऊर्जा के निर्बाध पारगमन की आवश्यकता भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

सिंधिया ने कहा, ईरान में जारी युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में वैश्विक संकट है और ऐसी स्थिति में भी कांग्रेस केवल नकारात्मक सोच दिखाते हुए आरोप लगा रही है जबकि देश के नागरिक सरकार के साथ हैं।

सीईसी के खिलाफ नोटिस पर विचार नहीं हुआ तो संदेह पैदा होगा : डेरेक ओब्रायन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन ने शुक्रवार को कहा कि यदि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस पर विचार नहीं किया गया तो कार्यपालिका और सीईसी के बीच मौन सहमति को लेकर संदेह उत्पन्न होगा।

विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस संसद के दोनों सदनों को दिया है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता ने एक ब्लॉग में कहा कि विपक्ष के सदस्य भारत की संस्थाओं की शुचिता की रक्षा के लिए उपलब्ध हर संवैधानिक माध्यम का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में प्रावधान है कि सीईसी को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के समान आधार पर, यानी साबित कदाचार या अक्षमता के आधार पर उनके पद से हटाया जा सकता है।

ओब्रायन ने कहा, पिछले 75 वर्षों में भारत में 25 मुख्य चुनाव आयुक्त रहे हैं। संसद के किसी भी सदन द्वारा कभी भी सीईसी के खिलाफ निष्कासन प्रस्ताव नहीं लाया गया। कभी नहीं।'' उन्होंने कहा कि यदि इस नोटिस पर विचार नहीं हुआ तो कार्यपालिका और सीईसी के बीच मौन सहमति को लेकर संदेह पैदा होगा।

झारखंड विधानसभा के सामने एलपीजी संकट को लेकर विधायकों ने किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों ने एलपीजी सिलेंडर संकट के विरोध में शुक्रवार को यहां झारखंड विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया।

बैनर और पोस्टर लिए हुए इन विधायकों ने पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर रसोई गैस की कथित कमी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन के दौरान विधायकों ने जो पोस्टर ले रखे थे, उनपर लिखा था, ''नरेन्द्र मोदी संसद से गायब हैं, सिलेंडर देश से गायब हैं।'' एक तख्ती पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मोदी की तस्वीरें भी छपी थीं।

कांग्रेस विधायक दीपिका पांडे सिंह ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण गैस सिलेंडरों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, अब तो एलपीजी सिलेंडर बुक कराना भी मुश्किल हो गया है। यह सब केंद्र सरकार की नीतियों की विफलता के कारण है, जिससे आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ रही हैं।

झामुमो विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि महंगाई का बोझ सीधे तौर पर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है तथा उन्हें गैस सिलेंडर खरीदने के लिए घंटों लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है।

इससे पहले, राज्य की कृषि मंत्री और कांग्रेस नेता शिल्पी नेहा तिर्की रिक्शा पर बैठकर विधानसभा पहुंचीं। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी यह रिक्शा चला रहे थे।

अंसारी ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा, एलपीजी सिलेंडरों की कमी और पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती कीमतों के कारण पूरे देश में संकट की स्थिति है। यहां तक कि राज्य की कृषि मंत्री को भी रिक्शा से विधानसभा आना पड़ा।

amazon

अमेजन इंडिया ने हवाई मालढुलाई सेवा का गुवाहाटी, कोलकाता तक किया विस्तार

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से अपने समर्पित हवाई मालढुलाई बेड़े 'अमेजन एयर' की सेवाओं का विस्तार गुवाहाटी और कोलकाता तक कर दिया है। कंपनी ने बयान में कहा कि 2023 में अमेजन एयर सेवा की शुरुआत के बाद से यह हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु में सेवाएं दे रही थी। अब इसका विस्तार गुवाहाटी व कोलकाता तक विस्तार होने से माल भेजने की गति लगभग पांच गुना तक बढ़ने की उम्मीद है।

अमेजन के मुताबिक, इस हवाई मालढुलाई सेवा के विस्तार से पूर्वोत्तर के सभी सात राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा में आपूर्ति को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से गुवाहाटी के लिए पहली अमेजन एयर उड़ान को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा कि गुवाहाटी तक अमेजन एयर सेवाएं शुरू होने से क्षेत्र के विक्रेताओं को देशभर के ग्राहकों से जुड़ने में मदद मिलेगी।

बिजनौर में 12वीं कक्षा की परीक्षा देने के बाद लापता हुईं छह छात्राएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिजनौर (उप्र)/भाषा। बिजनौर के चांदपुर में 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा देने के बाद स्कूल से निकलीं छह छात्राएं लापता हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी।

चांदपुर थाने के प्रभारी अमित कुमार ने शुक्रवार को बताया कि बृहस्पतिवार को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की संस्कृत की अंतिम परीक्षा थी। उन्होंने कहा कि चांदपुर और हीमपुर क्षेत्र की छह छात्राएं प्रतिष्ठित इंटर कॉलेज में परीक्षा के बाद घर नहीं पहुंचीं तो परिजन ने काफी तलाश के बाद देर शाम पुलिस में तहरीर दी। छात्राओं की गुमशुदगी का मामला दर्ज करके उनकी तलाश शुरू कर दी गई है, फोन सर्विलांस की मदद ली जा रही है और एक छात्रा के फोन की लोकेशन उत्तराखंड में मिली है। पुलिस के अनुसार छात्राएं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की रहने वाली हैं।

भारतीय महिलाओं की क्रिकेट में भागीदारी में तेजी से बढ़ोतरी : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'बीबीसी और कलेक्टिव न्यूजरूम' द्वारा कराए गए एक अध्ययन के अनुसार भारत में महिला क्रिकेट का तेजी से विकास हुआ और 2020 के बाद से 14 राज्यों में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हो गई है। इस अध्ययन में 10,000 से अधिक महिलाओं को शामिल किया गया। इसमें पाया गया कि 2020 में क्रिकेट खेलने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 10 प्रतिशत हो गई है। वहीं युवा महिलाओं में यह बढ़ोतरी और भी तेजी से हुई है। इसमें 15 से 24 वर्ष के आयु वर्ग में यह छह प्रतिशत से बढ़कर 16 प्रतिशत हो गया है।

अध्ययन के अनुसार, ''15 से 24 वर्ष की हर चार में से एक युवती ने खेल को करियर विकल्प के रूप में सोचने पर विचार किया है।'' हाल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन भी शानदार रहा है। टीम ने अपना पहला वनडे विश्व कप जीता और लगभग एक दशक में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में हराया। खेल की लोकप्रियता बढ़ाने में इस सफलता का भी योगदान हो सकता है। क्रिकेट ने पारंपरिक खेल कबड्डी को भी काफी बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया है जो लंबे समय से भारत के ग्रामीण इलाकों में लोकप्रिय रहा है। अध्ययन में कहा गया, ''जिन राज्यों में अध्ययन किया गया, उनमें महिलाओं के बीच सबसे अधिक खेले जाने वाले खेल के रूप में क्रिकेट अपनी स्थिति और मजबूत कर चुका है। 2020 में यह कबड्डी से केवल मामूली अंतर से आगे था लेकिन अब क्रिकेट काफी आगे पहुंच गया है।'' इसके अनुसार, ''अधिकांश क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ी है। सर्वे किए गए राज्यों में से केवल दो को छोड़कर सभी में महिलाओं द्वारा क्रिकेट खेलने की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश में भागीदारी 10 गुना बढ़कर एक से 10 प्रतिशत हो गई है। साथ ही इन राज्यों में क्रिकेट खेलने में महिलाओं और पुरुषों के बीच का अंतर भी कम हुआ है।''

अध्ययन से यह भी पता चला कि तीन पुरुषों के मुकाबले अब एक महिला क्रिकेट खिलाड़ी है जबकि 2020 में यह अनुपात पांच पुरुष और एक महिला का था।

नेहरू जीवित रहे होते तो कांशीराम कांग्रेस की तरफ से मुख्यमंत्री होते : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि अगर भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जीवित रहे होते तो कांशीराम कांग्रेस की तरफ से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री होते। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने अपना काम ठीक से किया होता तो कांशीराम कभी सफल नहीं होते।

नेहरू का निधन 1964 में हुआ था। वहीं कांशी राम 1978 में पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत करने वाले संगठन बामसेफ की स्थापना के साथ राजनीतिक परिदृश्य में उभरे। इसके बाद उन्होंने 1984 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का गठन किया। उन्होंने कांशीराम की जयंती (15 मार्च) से दो दिन पूर्व यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित संविधान सम्मेलन में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम की सराहना की। गांधी ने कहा, ''कांशीराम जी समाज में बराबरी की बात करते थे। कांग्रेस अपना काम पूरी तरह से नहीं कर सकी। यही कारण है कि कांशीराम जी सफल हुए। अगर कांग्रेस ठीक तरह से काम करती तो कांशीराम जी कभी सफल न होते।'' उन्होंने कहा, ''अगर जवाहर लाल नेहरू जी जिंदा रहे होते तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सरकार ने 85 प्रतिशत आबादी की अनदेखी की है। गांधी ने कहा, ''संविधान कहता है कि यह देश सबका है और सभी लोग समान हैं, लेकिन आज समाज को 15 और 85 प्रतिशत में बांट दिया गया है और फायदा केवल 15 प्रतिशत लोगों को मिल रहा है।'' नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर और कांशीराम तथा सावरकर के बीच एक बड़ा अंतर है।

सुविचार

शब्दों का घाव तलवार के घाव से गहरा होता है। बोलने से पहले सोचें कि आपके शब्द किसी का दिल तोड़ेंगे या जोड़ेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भरोसा रखें, घबराएं नहीं

भारत महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान योद्धाओं का देश है, जिन्होंने मुश्किल समय में घास की रोटी और गुड़-चना खाया, लेकिन मातृभूमि का शीश नहीं झुकने दिया। आज वैसा समय बिल्कुल नहीं है। हर तरह की सुख-सुविधाएं हैं। फिर भी कई लोगों ने रसोई गैस को लेकर जबर्दस्त हाहाकार मचा रखा है। विपक्ष के कुछ राजनेता उन्हें उकसा रहे हैं। वे ऐसे बयान दे रहे हैं, जिन्हें सुनकर लोगों में घबराहट फैल रही है। यह स्थिति तब है, जब ईरान के साथ अमेरिका-इज़राइल के युद्ध में भारत किसी की हिमायत नहीं कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य अवरुद्ध होने के कारण जहाजों का आवागमन बाधित हुआ है। इस समय देशवासियों को कुछ संयम और अनुशासन का पालन करना चाहिए। हमें जापान के नागरिकों से कुछ सीखना चाहिए। वहां भूकंप, सुनामी, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा मंडराता रहता है। वहां भी कई इलाकों में चीजें पहुंचाने में समय लगता है। क्या जापान के लोग अफरा-तफरी मचाते हैं? वे शांतिपूर्वक अपनी बारी का इंतजार करते हैं। उन लोगों को जितनी जरूरत होती है, उतनी ही चीजें लेते हैं। वहीं, भारत में क्या हो रहा है? यहां कोई आपदा नहीं आई है। फिर भी गैस एजेंसियों के द्वार पर लंबी-लंबी कतारें लग गई हैं! इनमें से कुछ लोग जरूर वास्तविक खरीदार होंगे, जिनके घरों में रसोई गैस नहीं है। क्या लाखों घरों में एकसाथ ही गैस सिलेंडर खाली हो गए? अगर पिछले आंकड़ों पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि हर गैस एजेंसी पर जरूरत के अनुसार सिलेंडर पहुंचाए जाते हैं, जहां से वे घरों में वितरित होते हैं। एक सिलेंडर का पूरा उपभोग होने पर लोग दूसरा सिलेंडर बुक करते हैं। इस तरह पूरी व्यवस्था सहज ढंग से हो जाती है।

अब अचानक बुकिंग बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं। पहले, औसतन 55.7 लाख बुकिंग होती थीं, जो अब 75.7 लाख हो गई हैं। ये स्पष्ट रूप से घबराहट में की गई बुकिंग हैं। सामान्य दिनों की तुलना में जब औसतन 20 लाख बुकिंग ज्यादा होंगी तो वितरण तंत्र पर दबाव बढ़ेगा। इस दौरान कुछ लोगों ने जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में दो दिनों में ही अधिकारियों की छापेमारी में 38 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में एक शख्स के घर से एलपीजी के 55 सिलेंडर मिले हैं। अगर अधिकारी सूझबूझ से काम लें, खुफिया नेटवर्क को मजबूत बनाकर जानकारी जुटाएं तो उन्हें हर शहर में ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो इसी मौके की ताक में बैठे हैं कि कब ईंधन का संकट आए और वे देशवासियों को दोनों हाथों से लूटें। कोरोना काल में ऐसे लोगों ने ही पांच रुपए की चीज के बीस रुपए वसूले थे। सरकार को इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। सोचिए, जब हजारों किमी दूर विदेशों की लड़ाई, जिसमें भारत की कोई भूमिका नहीं है, होने पर जमाखोरी और कालाबाजारी की यह स्थिति है, अगर किसी दिन सच में भारत की (चीन, पाकिस्तान या अन्य देश से) लड़ाई हो गई, तो क्या होगा? इन लोगों की तो लॉटरी निकल पड़ेगी। ये जनता को लूट खाएंगे। सरकार को चाहिए कि इनकी पहचान करे और भविष्य में इनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखे। इनका कृत्य कोई सामान्य अपराध नहीं है। ये चीजों की कृत्रिम कमी पैदा कर जनता के हक पर डाका डाल रहे हैं। केंद्र सरकार ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। वह संबंधित देशों की सरकारों के संपर्क में है। कोई रास्ता जरूर निकलेगा। भरोसा रखें, घबराएं नहीं। भारत और मजबूत होकर उभरेगा।

ट्वीटर टॉक

आजविभिन्न संभागों से आए पत्रकार बंधुओं से संवाद करने का सुखद अवसर मिला। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में आपकी सजगता और जनहित के प्रति आपकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। इस अवसर पर पत्रकार साथियों ने प्रदेश के जनकल्याणकारी बजट के लिए आभार व्यक्त किया।

-भजनलाल शर्मा

विधानसभा में राजस्थान बजट 2026-27 प्रस्तुत होने के उपरांत आज वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर उनके समर्पित प्रयासों के लिए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर बजट की तैयारी में अधिकारियों एवं पूरी टीम द्वारा किए गए अथक परिश्रम की सराहना की।

-दिया कुमारी

जैसलमेर से अहमदाबाद जा रही एक निजी एसी बस के बनासकांठा ज़िले के धानेरा क्षेत्र में आग लगने की घटना अत्यंत दुखद है। इस हादसे में एक यात्री की मृत्यु तथा कई लोगों के झुलसने की सूचना पीड़ादायक है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

प्रेरणा से सफलता

एक बार भारतेंदु हरिश्चंद्र कुछ किशोरवय नवोदित रचनाकारों से मिल रहे थे। इस दौरान एक किशोर ने उन्हें खासा प्रभावित किया। वह किशोर हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, फारसी, बंगाली, और उर्दू भाषाओं पर अच्छा अधिकार रखता था। इतना ही नहीं, उसने अपनी नवीनतम मौलिक कृति 'प्रेम पुष्पावली' भी भारतेंदु जी को दिखाई। किशोरवय में इतनी सुंदर भाषा और विद्वता देखकर भारतेंदु जी का मन गद्गद हो गया और उन्होंने उस किशोर का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद, उस किशोर ने तीन वर्ष के भीतर ललित निबंध लिखे और अखबार का प्रकाशन भी शुरू कर दिया। वह किशोर हिंदी साहित्य के आकाश में एक नक्षत्र बनकर चमकते रहे। उनका नाम था प्रताप नारायण मिश्र।

सामयिक

राष्ट्रपति के साथ ऐसा व्यवहार अनुचित

अवधेश कुमार

मोबाइल : 98110 27208

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रशासन का अपने राज्य में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ हुआ व्यवहार हर दृष्टि से अस्वीकार्य और डर पैदा करने वाला है। ममता बनर्जी ने कहा कि राष्ट्रपति भाजपा के एजेंडा में फंस गईं हैं। भाजपा उनसे अपना एजेंडा पूरा करवा रही है। ममता बनर्जी इसके राज्यपाल से लेकर चुनाव आयोग केंद्रीय एजेंसियां और यहां तक की कई बार न्यायपालिका को भी इसी भाषा में आरोपित कर चुकी हैं। अभी तक राष्ट्रपति का पद उनके अपमान और दुर्व्यवहार से बचा हुआ था। राष्ट्रपति को आरोपित करना वास्तव में राजनीतिक पतन की पराकाष्ठा है। आखिर हमारी राजनीति कहां पहुंच गई है जहां नेता यह भी नहीं समझ रहे कि किसी प्रतिस्पर्धी पार्टी या चुनाव के लिए हम जो कुछ कर रहे हैं इसका कितना भयानक असर हो सकता है। राष्ट्रपति के पद को स्तरहीन दलीय राजनीति से बाहर रखा जाना चाहिए। ममता बनर्जी कह रहीं हैं कि आप 50 बार आयें तो सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होना संभव नहीं होगा। भाजपा की चिंता सत्ता होती है और मेरी चिंता मेरे राज्य की जनता होती है। यानी वह कह रहीं हैं कि आप भाजपा का एजेंडा पूरा करने के लिए बार-बार पश्चिम बंगाल आतीं हैं और उम्मीद करती हैं कि मैं आपके स्वागत के लिए रहूं तो ऐसा नहीं हो सकता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की बंगाल यात्रा के दौरान ममता बनर्जी एसआईआर को लेकर धरने में शामिल थीं। क्या ममता बनर्जी की इस तरह की भाषा और व्यवहार को सामान्य लोकतांत्रिक मर्यादा और संविधान की भावनाओं के अनुरूप भी माना जा सकता है?

राष्ट्रपति मुर्मू पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम को संबोधित करने गईं थीं। 9वां अंतरराष्ट्रीय संथाल फिल्म महोत्सव व कॉन्फ्रेंस बागडोगरा हवाई अड्डा के पास सिलीगुड़ी महकमा परिषद के गोंसाईपुर में आयोजित किया गया। दरअसल, कार्यक्रम विधाननगर में आयोजित होना था लेकिन पश्चिम बंगाल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य कारणों का हवाला देते हुए इसे स्थानांतरित कर दिया। कार्यक्रम के लिए प्राप्त स्थान तक पहुंचना कठिन था और इतना छोटा था कि ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकते थे। स्वाभाविक था कि राष्ट्रपति विधान नगर भी गईं, संथाल भाई-बहन वहां भी थे। वहां उन्हें अपना असंतोष प्रकट करने तथा सच्चाई अभिव्यक्त करने को बाध्य होना पड़ा। वस्तुत: बंगाल की धरती पर उतरने के समय से ही सरकार द्वारा राष्ट्रपति की अवहेलना और अपमान की शुरुआत हो गई। हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति पद के प्रोटोकॉल के अनुसार कोई उपस्थित नहीं था। सामान्य प्रोटोकॉल और परंपरा के अनुसार राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए राज्यपाल रहते हैं , सामान्य तौर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री या अगर किसी कारणवश वह नहीं आ सकीं तो उनकी जगह कोई मंत्री रहते हैं। इसके साथ प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव भी उपस्थित रहते हैं। वहां कोई नहीं था । सिलीगुड़ी के मेयर ने उनका स्वागत किया। केंद्रीय जनजाति मामलों के राज्यमंत्री दुर्गादास उइके इसलिए थे क्योंकि कार्यक्रम जनजाति समुदाय का था। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह ऐसी पहली घटना है। ऐसा कभी नहीं हुआ जब कोई राज्य सरकार राष्ट्रपति के कार्यक्रम के लिए उपयुक्त जगह की अनुमति न दे , उनकी पूरी तरह अवहेलना करें और असंतोष व्यक्त करने पर प्रतिक्रिया ऐसी दे जैसे अपने किसी राजनीतिक प्रतिस्पर्धी से टकरा रही है । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शांत स्वभाव की मानी जाती है और कभी भी अशांत या गुस्सैल प्रतिक्रिया देते देखा नहीं गया। द्रौपदी मुर्मू ने यही कहा कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर कोई समस्या नहीं है कि कोई रिसीव करने आए या ना आए किंतु राष्ट्रपति पद के प्रोटोकॉल का पालन होना चाहिए। राष्ट्रपति देश के संवैधानिक अभिभावक होते हैं। सभी का उस पद की गरिमा और स्थापित परंपरा के अनुरूप सम्मान देना है। दूसरी और राष्ट्रपति का भी दायित्व है कि परंपरा गरिमा और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए आगाह करें। उन्हें सार्वजनिक रूप से ऐसा बोलने को विवश होना पड़ा तो निश्चित रूप से स्थिति अस्वीकार्य थी। क्या राष्ट्रपति मौन रहकर इस तरह के व्यवहार को प्रोत्साहित करने की भूमिका निभातीं? आज एक राज्य में ऐसा हुआ कल दूसरे में होगा और जो एक राष्ट्रपति के साथ हो रहा है वह दूसरे के साथ भी हो सकता है। इसलिए राष्ट्रपति के नाते इस विषय को पूरी गंभीरता से सामने रखना उनका दायित्व है।

अगर उन्हें इसकी जानकारी मिली कि यहां कार्यक्रम में संथाल जनजाति के लोग इसलिए नहीं नहीं आ पाए क्योंकि कार्यक्रम पहले दूसरी जगह निर्धारित था तो प्रशासन के सहयोग की पूरी जानकारी मिलने के बाद उनके वहां जाना भी स्वाभाविक था। क्या ममता मानती हैं कि उन्हें चुपचाप वापस आ जाना चाहिए था? उन्होंने यही कहा कि यह बड़ा मैदान था और मुझे जब मालूम हुआ कि आप लोग यहां हैं तो मैं सोची कि मुझे जाकर आपसे मिलनी चाहिए। मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों किया गया क्योंकि यह मैदान दिया जाता तो सब लोग आ जाते। राष्ट्रपति द्वारा इस तरह अपनी भावना व्यक्त करने को भी मुख्यमंत्री के नाते ममता बनर्जी को गंभीरता से लेना चाहिए था। उन्हें शांत और संतुलित प्रतिक्रिया व्यक्त कर अपने पद की भी गरिमा प्रदर्शित करनी थी। इसकी जगह वह राष्ट्रपति को ही कठघरे में खड़ा कर रहीं हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि सम्मेलन के बारे में उनके पास कोई जानकारी नहीं थी, उसकी फंडिंग के बारे में , आयोजकों के बारे में उन्हें कुछ भी पता नहीं था। राष्ट्रपति के किसी प्रदेश में दौरा की सूचना राज्य सरकार के पास पहले जाती है। उसमें उनके सारे कार्यक्रम वर्णित होते हैं। राष्ट्रपति भवन के अधिकारी प्रदेश सरकार के साथ संपर्क में रहते हैं और लगातार बातचीत होती रहती है। उसके अनुसार उनका प्रोटोकॉल , कार्यक्रम में सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं होती हैं? क्या ममता बनर्जी के प्रशासन ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बारे में उनको जानकारी ही नहीं दी? अगर ऐसा है तो इसकी जांच होनी चाहिए । किंतु ममता बनर्जी के व्यवहार से ऐसा लगता नहीं कि उन्हें कुछ पता नहीं था। पश्चिम बंगाल की मीडिया ने राष्ट्रपति की यात्रा और कार्यक्रम के बारे में पूर्व समाचार दिया था। सब कुछ सामने होते हुए इस तरह का व्यवहार और वक्तव्य साबित करता है कि ममता बनर्जी की हनक के समक्ष भारत देश के शीर्ष पद का भी कोई सम्मान नहीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसे शर्मनाक और ममता सरकार द्वारा सारी हदें पार करने घटना बताना बिल्कुल सही है। प्रधानमंत्री या ऐसे शीर्ष पदों पर बैठे व्यक्तियों के सामने प्रतिक्रिया व्यक्त करने में भी मर्यादाएं सामने रहती हैं अन्यथा इसकी निंदा और विरोध के लिए कोई भी शब्द छोटे हैं। जनजाति समाज का कार्यक्रम और राष्ट्रपति की उपस्थिति के साथ जब ऐसा दर्दनाक व्यवहार है तो फिर सामान्य संगठन और राजनीतिक दलों के कार्यक्रम के साथ प्रशासन का कैसा व्यवहार होता होगा इसकी कल्पना करिए। पश्चिम बंगाल में जनजाति समुदाय की बड़ी संख्या है और उनकी परंपराओं ने केवल राज्य नहीं , भारत की संस्कृति को समृद्ध किया है स्वतंत्रता के संघर्ष में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्वयं राष्ट्रपति जनजाति समुदाय से आती हैं।

ममता बनर्जी स्वयं को आदिवासी समाज के लिए संघर्ष करने वाली और उनका हितैषी घोषित करतीं हैं। इस घटना के बाद क्या यह बताने की आवश्यकता है कि जनजाति समुदाय के प्रति उनके अंदर वाकई संवेदनशीलता और सम्मान है? वास्तविकता का साक्षात प्रमाण सामने है। विडंबना देखिए, सभी भाजपा विरोधी दल इस पर मौन हैं। इन दलों का व्यवहार हतप्रभ करने वाला है। राष्ट्रपति कह रही हैं कि ऐसी स्थिति पैदा की गई ताकि कार्यक्रम न हो और उन्हें वापस पड़े। देश के सभी विवेकशील लोगों को विचार करना पड़ेगा कि क्या सत्ता की राजनीति इस सीमा तक चली जाएगी जहां प्रशासन द्वारा राष्ट्रपति के कार्यक्रम की व्यवस्था करने की जगह उसे हर स्तर पर विफल कर देने का व्यवहार हो? अगर आपका उत्तर नहीं है तो यह विचार करिए ऐसे व्यवहार का प्रतिकार कैसे हो ताकि आगे कभी इसकी पुनरावृत्ति न हो सके। ऐसा नहीं हुआ तो देश इस तरह की भयानक अराजकता में फंसेगा जहां किसी पद या विधान की मर्यादा नहीं बचेगी। ममता बनर्जी के कार्यकाल में तृणमूल सरकार ने बंगाल को ऐसे राज्य में बदल दिया है जहां कानून, संविधान, चुनाव, संवैधानिक संस्थायें सब कुछ दांव पर लग चुका है।

ममता बनर्जी स्वयं को आदिवासी समाज के लिए संघर्ष करने वाली और उनका हितैषी घोषित करतीं हैं। इस घटना के बाद क्या यह बताने की आवश्यकता है कि जनजाति समुदाय के प्रति उनके अंदर वाकई संवेदनशीलता और सम्मान है? वास्तविकता का साक्षात प्रमाण सामने है। विडंबना देखिए, सभी भाजपा विरोधी दल इस पर मौन हैं। इन दलों का व्यवहार हतप्रभ करने वाला है। राष्ट्रपति कह रही हैं कि ऐसी स्थिति पैदा की गई ताकि कार्यक्रम न हो और उन्हें वापस पड़े।

नजरिया

भारतीय नव संवत्सर एक सांस्कृतिक उत्सव का प्रतीक

देवेंद्र सिंह

मोबाइल : 80946 61100

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव और उल्लास का अवसर नहीं होते, बल्कि वे जीवन के गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश भी अपने भीतर समेटे रहते हैं। प्रत्येक त्योहार हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य, परंपराओं के सम्मान और आत्मिक उन्नति की प्रेरणा देता है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व है चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा, जिसे वर्ष प्रतिपदा या भारतीय नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन से नवसंवत्सर का शुभारंभ होता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में इसे उगादि या युगादि, महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, कश्मीर में नवरेह, सिंधी समाज में चेटीचंड, और मणिपुर में साजिबू चेइराओबा के रूप में मनाने की परंपरा है।

'युग' और 'आदि' शब्दों के मेल से बना 'युगादि' शब्द अपने आप में एक नए युग के आरंभ का प्रतीक है। यह केवल कैलेंडर का परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन में नवचेतना, नई आशा और नए संकल्पों का प्रारंभ भी है। भारतीय संस्कृति में समय को केवल दिनों और महीनों की गणना तक सीमित नहीं माना गया, बल्कि उसे सृष्टि और प्रकृति के अनंत चक्र से जोड़ा गया है। यही कारण है कि नवसंवत्सर का प्रारंभ भी उस समय होता है जब प्रकृति स्वयं नवजीवन से भर उठती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही सृष्टिकर्ता ब्रह्मा ने इस जगत की रचना का प्रारंभ किया था। इसलिए यह तिथि केवल नए वर्ष का आरंभ ही नहीं, बल्कि सृष्टि के उद्भव का भी प्रतीक मानी जाती है। इस दिन ब्रह्मा जी के साथ-साथ उनके द्वारा रचित समस्त सृष्टि-देवी-देवताओं, ऋषि-मुनियों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और वनस्पतियों-का स्मरण और पूजन किया जाता है। भारतीय दर्शन की विशेषता यह है कि इसमें प्रकृति के प्रत्येक तत्व को दिव्यता का स्वरूप माना गया है। यहां तक कि रोग और उनके उपचारों का भी स्मरण किया जाता है, जो इस बात का संकेत है कि भारतीय संस्कृति जीवन को समग्र दृष्टि से देखने की शिक्षा देती है।

ज्योतिषीय दृष्टि से भी वर्ष प्रतिपदा का अत्यंत विशेष महत्व है। पंचांगकर्ता ज्योतिषाचार्य पंडित अक्षय शास्त्री के अनुसार भारतीय पंचांग सूर्य और चंद्रमा दोनों की गति के आधार पर निर्मित होता है, इसलिए इसे चंद्र-सौर पंचांग कहा जाता है। अमावस्या के बाद जब चंद्रमा की पहली कला प्रकट होती है, तब शुक्ल पक्ष की शुरुआत होती है और उसी का पहला दिन प्रतिपदा कहलाता है। चैत्र मास की यह प्रतिपदा ही नवसंवत्सर का प्रथम दिन मानी जाती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार महान गणितज्ञ और ज्योतिषाचार्य भास्कराचार्य ने भी इसी दिन से दिन, महीना और वर्ष की गणना करते हुए पंचांग की रचना की थी। ज्योतिष परंपरा में इस दिन से नए वर्ष के ग्रहाधिपत्य का विचार किया जाता है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के आधार पर वर्ष के सामान्य फल, वर्षा की संभावना, कृषि की स्थिति तथा सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का अनुमान लगाया जाता है। इस दिन पंचांग सुनने की परंपरा भी प्रचलित है, जिसमें विद्वान ज्योतिषाचार्य आगामी वर्ष की संभावनाओं का वर्णन करते हैं। इस प्रकार नवसंवत्सर केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय खगोल विज्ञान और ज्योतिष परंपरा का भी एक महत्वपूर्ण आधार है।

चैत्र मास का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक दृष्टि से भी अत्यंत विशेष है। यह वह समय होता है जब शीत ऋतु के बाद वसंत अपनी पूर्णता पर होता है और प्रकृति नए जीवन से भर उठती है। वृक्षों और लताओं में नई कोपलें फूटती हैं, फूल खिलते हैं और वातावरण में ताजगी का संचार होता है। चंद्रमा को वनस्पतियों और औषधियों का राजा कहा गया है, क्योंकि उसकी शीतल किरणें प्रकृति को जीवनदायी ऊर्जा प्रदान करती हैं। यही कारण है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को वर्षारंभ के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। इस दिन घरों को सजाने-संवारने की भी विशेष परंपरा है। दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में लोग अपने घरों के द्वार पर आम के पत्तों का तोरण लगाते हैं। आम के पत्ते समृद्धि, स्वास्थ्य और शुभता के प्रतीक माने जाते हैं। माना जाता है कि यह तोरण घर में सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत करता है और वातावरण को पवित्र बनाता है।

महाराष्ट्र में यह पर्व गुड़ी पड़वा के रूप में अत्यंत उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसे वर्ष के साढ़े तीन शुभ मुहूर्तों में गिना जाता है। इसी दिन से शालिवाहन शक संवत की भी शुरुआत मानी जाती है। लोककथाओं के अनुसार शालिवाहन नामक एक वीर युवक ने मिट्टी के सैनिकों की सेना बनाकर उनमें प्राण फूंक दिए और शत्रुओं को पराजित किया। उसकी इस विजय की स्मृति में विजय ध्वज के रूप में 'गुड़ी' स्थापित करने की परंपरा शुरू हुई। एक अन्य मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान राम ने दक्षिण भारत की प्रजा को अत्याचारी शासन से मुक्ति दिलाई थी। इस विजय की खुशी में लोगों ने अपने घरों में ध्वज फहराए, जो आगे चलकर गुड़ी पड़वा की परंपरा बन गई।

भारत की विविधता इस पर्व के उत्सव में भी दिखाई देती है। अलग-अलग क्षेत्रों में इसे अलग नामों से मनाने के साथ-साथ विशेष व्यंजन भी बनाए जाते हैं। आंध्र प्रदेश में उगादि 'पच्चड़ी' नामक प्रसाद तैयार किया जाता है, जिसमें गुड़, नीम के फूल, इमली, नमक और कच्चा आम मिलाया जाता है। इन छह स्वादों का मिश्रण जीवन के विभिन्न अनुभवों-मिठास, कड़वाहट, खट्टापन और संतुलन-का प्रतीक है। कर्नाटक में युगादि पर घरों में नीम की कोपल और गुड़ का प्रसाद खाया जाता है, जिसे बेवू-बेला' कहा जाता है। यह प्रसाद जीवन के कड़वे और मीठे अनुभवों का प्रतीक है और हमें यह संदेश देता है कि जीवन में आने वाले सुख-दुःख को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए। वहीं महाराष्ट्र में पूरन पोली नामक पारंपरिक मीठा व्यंजन बनाकर पर्व की खुशियां साझा की जाती हैं। कश्मीर में कश्मीरी पंडित समुदाय इस दिन नवरेह के रूप में विशेष पूजा-अर्चना करता है, जबकि सिंधी समाज में यही पर्व चेटीचंड के रूप में मनाया जाता है। वर्ष प्रतिपदा से आरंभ होने वाला यह उत्सव आगे चलकर चैत्र नवरात्र और रामनवमी के साथ अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचता है। इन नौ दिनों में देवी शक्ति की आराधना और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मोत्सव का उत्सव मनाया जाता है। इस प्रकार यह पर्व केवल नए वर्ष का स्वागत नहीं, बल्कि भक्ति, साधना और आत्मशुद्धि का भी अवसर बन जाता है। वास्तव में नवसंवत्सर हमें यह सिखाता है कि जीवन में परिवर्तन और नवता को स्वीकार करना ही विकास का मार्ग है। इस दिन लोग अपने घरों की सफाई करते हैं, मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं और आने वाले वर्ष के लिए शुभ संकल्प लेते हैं। यह परंपरा हमें यह भी याद दिलाती है कि हर नया वर्ष आत्मचिंतन और आत्मविकास का एक अवसर लेकर आता है।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा भारतीय संस्कृति की उस गहन जीवनदृष्टि का प्रतीक है जिसमें प्रकृति, आध्यात्म और मानवीय जीवन एक दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। यह तिथि हमें याद दिलाती है कि जैसे प्रकृति हर वर्ष नए रूप में खिल उठती है, वैसे ही हमें भी अपने जीवन को नई ऊर्जा, नई आशा और नए उत्साह के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। नवसंवत्सर हमें नवआरंभ, सकारात्मकता और समरसता का संदेश देता है। यह पर्व हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में नए संकल्प लें, प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखें और समाज में प्रेम, सद्भाव तथा सहयोग की भावना को मजबूत करें। यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही नववर्ष का वास्तविक संदेश भी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम हिस्से में आईईडी बम धमाके में सात पुलिसकर्मियों की मौत

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शुक्रवार को एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए एक आईईडी बम धमाके में कम से कम सात पुलिसकर्मी मारे गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी।उसने बताया कि लक्की मारवत जिले के शादी खेल बेट्टानी इलाके में रसूल खेल चेक पोस्ट के पास नियमित गश्त के दौरान एक पुलिस वाहन आईईडी बम विस्फोट की चपेट में आ गया।उसने बताया कि बम धमाके के चलते थाना प्रभारी आजम, पुलिस वाहन चालक शाह बहराम एवं चार अन्य पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस के अनुसार विस्फोट में इंसाफुद्दीन नामक एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया तथा तलाशी अभियान शुरू किया।

ईरान फुटबॉल टीम ने ट्रंप पर पलटवार करते हुए कहा, विश्व कप में भाग लेने से 'कोई नहीं रोक सकता'

जेनेवा/एपी

ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा है कि उसे पुरुषों के फीफा विश्व कप से ''कोई भी बाहर नहीं कर सकता।' टीम ने बृहस्पतिवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट में तंज करते हुए यह भी कहा कि अगर सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती, तो शायद अमेरिका की टीम को ही टूर्नामेंट से बाहर कर देना चाहिए। यह प्रतिक्रिया ट्रंप की उस टिप्पणी के बाद आई, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि सह-मेजबान अमेरिका ईरान के खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मौजूदा युद्ध के बावजूद ईरान की टीम का विश्व कप में स्वागत है, लेकिन 'मुझे सच में नहीं लगता कि उनकी जान और सुरक्षा के लिहाज से उनका वहां होना उचित है।'

ईरान को ग्रुप चरण के अपने तीनों मुकाबले अमेरिका में खेलने हैं। फीफा विश्व कप की मेजबानी अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा संयुक्त रूप से कर रहे हैं।

इस युद्ध के कारण ईरान की विश्व कप में भागीदारी पर सवाल उठने लगे हैं। देश के खेल मंत्री अहमद दोन्यामाली ने इस सप्ताह सरकारी टीवी से कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खेलना संभव नहीं लग रहा।

इंस्टाग्राम पर ईरान की टीम की प्रतिक्रिया से स्पष्ट हुआ कि वे टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के इच्छुक है। पोस्ट में इस बात पर भी जोर दिया गया कि टूर्नामेंट का संचालन फीफा करता है, न कि ट्रंप या अमेरिका।पोस्ट में कहा गया, ''विश्व कप एक ऐतिहासिक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और इसका संचालन किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं, बल्कि फीफा के द्वारा होता है। निश्चित रूप से कोई भी ईरान की राष्ट्रीय टीम को विश्व कप से बाहर नहीं कर सकता। बाहर वही देश हो सकता है जो केवल मेजबान का दर्जा रखता हो लेकिन इस वैश्विक आयोजन में भाग लेने वाली टीमों को सुरक्षा देने की क्षमता नहीं रखता हो।''टूर्नामेंट कार्यक्रम के अनुसार ईरान को 15 जून को कैलिफोर्निया में न्यूजीलैंड के खिलाफ और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ खेलना है। इसके बाद 26 जून को सिएटल में ग्रुप चरण का अंतिम मैच मिस्र से होगा।इस मुद्दे पर ट्रंप के बयान भी अलग-अलग रहे हैं। पिछले सप्ताह उन्होंने कहा था, मुझे सच में फर्क नहीं पड़ता कि ईरान खेले या नहीं। लेकिन मंगलवार को व्हाइट हाउस में जियानी इंफैनटिनो से मुलाकात के दौरान उन्होंने आश्वासन दिया कि ईरान की टीम का स्वागत है।

सूरज बड़जात्या की बेटी के रिसेप्शन में शामिल हुए अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय हिंदी सिनेमा के एक प्रमुख निर्देशक और निर्माता सूरज बड़जात्या की बेटी ईशा बड़जात्या की शादी अभिषेक के साथ हुई। शादी के बाद बीते दिन मुंबई में एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया गया, जिसमें सलमान खान, अनिल कपूर, अनुपम खेर, विक्की कौशल, तब्बू और रेखा से लेकर इंडस्ट्री के कई दिग्गज सितारों ने शिरकत की। अभिनेता अनुपम खेर ने बीते दिन की एक खास तस्वीर को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। एक्टर ने शुक्रवार को फैंस के साथ पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में कुल भावुक बातें लिखीं।

उन्होंने लिखा, ईशा और अभिषेक की शादी! कुछ शादियां महज उत्सव नहीं होतीं, बल्कि ये इस बात का स्मरण दिलाती हैं कि जीवन कितनी खूबसूरती से आगे बढ़ता है। अनुपम खेर ने आगे लिखा, कल शाम मुझे अपने प्रिय मित्र सूरज बरजात्या की प्यारी बेटी ईशा और अभिषेक की शादी में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उसे जीवन के इस नए अध्याय की शुरुआत करते देखना अत्यंत भावुक कर देने वाला था। मैं सूरज को लगभग 41-42 वर्षों से जानता हूं। फिल्म उद्योग में हमारे शुरुआती दिनों से लेकर एक फिल्म निर्माता और एक इंसान के रूप में उनकी शानदार यात्रा तक, उनके जीवन को साकार होते देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है और हां, प्रिय विनीता, अपनी गर्मजोशी और शालीनता के साथ हमेशा से उनके खूबसूरत परिवार का दिल रही हैं।

उन्होंने लिखा, ईशा को प्यार और उम्मीद से भरे एक नए जीवन में कदम रखते देखना ऐसा लगा मानो समय का चक्र पूरा हो गया हो। ईशा और अभिषेक को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं और प्यार। आपका जीवन सहभागिता, हंसी, समझ और अनंत खुशियों से भरा रहे। सूरज और विनीता को उनके परिवार की इस खूबसूरत नई शुरुआत के लिए बधाई। प्यार और शुभकामनाएं। सूरज बड़जात्या हिंदी सिनेमा के एक जाने-माने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर हैं, जो मुख्य रूप से पारिवारिक, पारंपरिक और प्रेम कहानियों पर आधारित फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'विवाह', 'प्रेम रतन धन पायो', 'मैं प्रेम की दीवानी हूं', 'हम साथ-साथ हैं', 'हम आपके हैं कौन', 'मैंने प्यार किया' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उन्हें 2022 की एडवेंचर ड्रामा फिल्म 'ऊंचाई' के लिए 'सर्वश्रेष्ठ निर्देशक' का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है। भारतीय सिनेमा के एक दिग्गज अभिनेता, निर्देशक और निर्माता हैं, जो हिंदी फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जाने जाते हैं। 40 से अधिक वर्षों के करियर में उन्होंने 500 से अधिक फिल्मों में काम किया है। 1984 में 'सारांश' से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाले खेर को भारत सरकार द्वारा 2004 में पद्मश्री और 2016 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है।

रिक्शा मार्च

झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और शिल्पी नेहा तिर्की शुक्रवार को देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ सांकेतिक विरोध दर्ज कराने के लिए रिक्शा चलाकर विधानसभा पहुँचे।

समागम

जम्मू में शुक्रवार को 'जम्मू विश्वविद्यालय साहित्य संस्कृति समागम' के उद्घाटन समारोह के दौरान कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में रंगारंग प्रदर्शन किया।

दुख में डूबी महिला को ढांढस बंधाती दिखीं मैथिली ठाकुर, बोलीं- नारी ही नारी की सबसे बड़ी ताकत

अलीनगर/एजेन्सी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम आज के समय में सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं है, बल्कि यह भावनाओं को साझा करने का एक बड़ा प्लेटफॉर्म भी है। इसी कड़ी में बिहार की चर्चित लोक गायिका और अलीनगर विधानसभा सीट से विधायक मैथिली ठाकुर ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा वीडियो साझा किया, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। इस वीडियो में वह अपने क्षेत्र की कुछ महिलाओं से मिलती नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में मैथिली ठाकुर अपने क्षेत्र की कुछ महिलाओं से मिलती हुई नजर आ रही हैं और उनसे बातचीत कर रही हैं। इसी दौरान एक महिला उनसे मिलते ही भावुक हो जाती है। बताया जा रहा है कि उस महिला ने हाल ही में अपने पति को खोया है, जिसके कारण वह गहरे दुख में है। महिला की आंखों में आंसू देखकर मैथिली ठाकुर भी भावुक हो जाती हैं और उसे गले लगाकर चुप कराने की कोशिश करती हैं। इस वीडियो के साथ मैथिली ठाकुर ने महिला के दर्द का जिक्र करते हुए एक लंबा कैप्शन भी लिखा, ''मेरे क्षेत्र की एक महिला जिन्होंने हाल ही में अपने पति को खोया है। जिस दर्द और तकलीफ से वह गुजर रही हैं, उसे शब्दों में समझाना आसान नहीं है। एक महिला के मन की संवेदनशीलता और पीड़ा को सबसे गहराई से अगर कोई समझ सकता है, तो वह दूसरी महिला ही होती है।''

उन्होंने आगे लिखा, ''ऐसे समय में जब एक महिला टूटती है तो उसके आसपास की महिलाओं को ही उसका सहारा बनना चाहिए। नारी ही नारी की सबसे बड़ी ताकत है। जब महिलाएं एक-दूसरे का हाथ थाम लेती हैं तो उससे बड़ी शक्ति कोई नहीं होती।'

'मेरी बेटी नाना-नानी की तरह स्टाइलिश होगी': मसाबा गुप्ता

मुंबई/एजेन्सी

इंडस्ट्री में जब बात किसी ऐसे परिवार की होती है, जो अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुका हो, तो लोगों की दिलचस्पी और भी बढ़ जाती है। फिल्म इंडस्ट्री और क्रिकेट की दुनिया से जुड़ा ऐसा ही एक परिवार है, जिसमें एक तरफ दमदार अभिनय के लिए जानी जाने वाली नीना गुप्ता हैं, तो दूसरी ओर क्रिकेट इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में गिने जाने वाले विव रिचर्ड्स हैं। इन दोनों की बेटी मसाबा गुप्ता भी फैशन की दुनिया में अपना खास नाम बना चुकी हैं। हाल ही में मसाबा ने सोशल मीडिया पर अपने पिता का एक पुराना वीडियो साझा किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। मसाबा गुप्ता ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें विव रिचर्ड्स पुराने दिनों की यादों को ताजा करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह एक महिला से बातचीत करते हुए अपने क्रिकेट करियर के कुछ खास पलों के बारे में बताते दिखाई देते हैं। मसाबा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा, ''मेरे माता-पिता बहुत ही ज्यादा कूल हैं और मैं खुद उनके साथ कदम नहीं मिला पाती।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मेरी बेटी जरूर अपने नाना-नानी की तरह बेहद स्टाइलिश और शानदार होगी।'' अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने कमेंट्स बॉक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट में हार्ट और राइजिंग हैंड वाले इमोजी का इस्तेमाल किया।

वीडियो में विव रिचर्ड्स अपने करियर की एक यादगार पारी को याद करते नजर आते हैं। वे बताते हैं कि 1976 में लंदन में खेले गए एक मैच में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 291 रन बनाए थे। ये पुराने दिन याद करते हुए उन्हें अच्छा लगता है। बातचीत के दौरान उनसे क्रिकेट की लोकप्रियता के बारे में भी सवाल किया गया। इस पर विव रिचर्ड्स ने कहा, ''क्रिकेट दुनिया के सबसे शानदार खेलों में से एक है। यह करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ एक बड़ा मंच है। खासतौर पर कॉमनवेल्थ देशों में इसकी लोकप्रियता बहुत ज्यादा है। मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर हमेशा गर्व महसूस होता है।'

'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की एक अलग ही पहचान रही है। समय-समय पर ऐसी कई प्रेम कहानियां आई हैं, जिन्होंने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। इस कड़ी में जुनैद खान और साई पल्लवी की आने वाली फिल्म 'एक दिन' की चर्चा जोरों पर है। बुधवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत में एक 'फॉर्च्यून बेल,' यानी किस्मत की घंटी, दिखाई जाती है। इस घंटी के बारे में जुनैद खान का किरदार बताता है कि दुनिया भर के हारे हुए आशिक इस घंटी को बजाकर अपनी किस्मत आजमाते हैं। इसी दौरान उनकी नजर मीरा पर पड़ती है, जिसका किरदार साई पल्लवी निभा रही हैं। मीरा को देखते ही जुनैद का किरदार उस फॉर्च्यून बेल से एक विश मांगता है कि काश मीरा मेरी हो जाए, चाहे सिर्फ एक दिन के लिए ही सही। इसके बाद ट्रेलर में कहानी आगे बढ़ती है। जुनैद की मांगी हुई यह विश सच हो जाती है। अगले ही सीन में मीरा यानी साई पल्लवी जुनैद के साथ दिखाई देती हैं। दोनों के बीच कई रोमांटिक पल दिखाए जाते हैं। एक सीन में साई पल्लवी जुनैद का जन्मदिन सेलिब्रेट करती नजर आती हैं। वह उन्हें केक पर लगी कैंडल बुझाने से पहले एक विश मांगने के लिए कहती हैं। इस पर जुनैद मुस्कुराते हुए कहते हैं कि उनकी तो विश पहले ही पूरी हो चुकी है।

इस तरह ट्रेलर के बीच में दोनों के बीच पनपते प्यार और उनकी केमिस्ट्री को खूबसूरती से दिखाया गया है। ट्रेलर में दिखाए गए लोकेशन्स फिल्म के रोमांटिक माहौल को और मजबूत बनाते हैं। कभी दोनों साथ घूमते नजर आते हैं, तो कभी खुशियों के छोटे-छोटे पल साझा करते हुए दिखाई देते हैं।

ट्रेलर में यह दिखाने की कोशिश की गई है कि कैसे एक दिन का साथ भी किसी की जिंदगी में बड़ी याद बन सकता है। हालांकि कहानी में सब कुछ इतना आसान नहीं रहता और यहीं से ट्रेलर एक दर्दनाक मोड़ लेता है।

ट्रेलर के आखिरी हिस्से में कहानी अचानक गंभीर मोड़ ले लेती है। एक सीन में साई पल्लवी गुस्से में जुनैद को थप्पड़ मारती हैं और कहती हैं कि मैंने तुम पर भरोसा किया था, लेकिन तुमने... इसके बाद दोनों के बीच की दर्दनाक दूरी को दिखाया जाता है। आखिर दोनों के बीच क्या हुआ, इस पर सस्पेंस बना हुआ है। इस सीन को देखने के बाद दर्शकों के मन में सवाल उठता है कि आखिर उस एक दिन में ऐसा क्या हुआ, जिसने दोनों की जिंदगी बदल दी।ट्रेलर के आखिर में साई पल्लवी का किरदार कहता है कि यह एक दिन उनकी जिंदगी के लिए हमेशा यादगार रहेगा।अगर फिल्म के बारे में बात करें तो 'एक दिन' एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्माण आमिर खान प्रोडक्शन के बैनर तले किया गया है। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है। इस फिल्म के जरिए साई पल्लवी पहली बार हिंदी सिनेमा में अपना डेब्यू कर रही हैं। 'एक दिन' 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अल्लू अर्जुन ने हैदराबाद में लॉन्च किया 'अल्लू सिनेमाज', मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का जताया आभार

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने हैदराबाद में भारत का सबसे बड़ा डॉल्बी सिनेमा लॉन्च किया। इस लॉन्च इवेंट की कुछ तस्वीरें अभिनेता ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। पोस्ट की गई तस्वीरों में अल्लू परिवार समेत गेस्ट के साथ नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपनी पोस्ट के जरिए सभी का आभार जताया। उन्होंने लिखा, 'अल्लू सिनेमाज' की शुरुआत हो गई है। मैं इस लॉन्च के लिए माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। साथ ही, भाटी विक्रमारका, कोमाटी रेड्डी व वेंकट रेड्डी का भी सहयोग और मौजूदगी के लिए धन्यवाद। उन्होंने लिखा, इस सपने को सच करने के लिए पीछे से कड़ी मेहनत करने वाले सभी स्टाफ और टीम के सदस्यों का दिल से धन्यवाद। गीता आर्ट्स का भी खास शुक्रिया। मैं हैदराबाद में बने भारत के सबसे बड़े डॉल्बी सिनेमा का जादू अनुभव करने के लिए सभी को आमंत्रित करता हूं। अल्लू सिनेमाज' नामक डॉल्बी सिनेमा लॉन्च कर अभिनेता अल्लू अर्जुन ने एक और प्रसिद्धि अपने नाम कर ली है। हालांकि, इसके बारे में अधिक जानकारी अभी निकलकर सामने नहीं आई है, लेकिन अल्लू ने पोस्ट के जरिए इसका अनुभव लेने के लिए सभी से कहा है। फिल्मों में अभिनय के अलावा उनका 'गीता आर्ट्स' नामक प्रोडक्शन हाउस है, जो उनके परिवार का है। इसके अलावा, उन्होंने 2022 में अपना खुद का 'अल्लू स्टूडियो' खोला है। इसके अलावा, जून 2023 में, उन्होंने हैदराबाद में 'एएए सिनेमाज' नामक एक मल्टीप्लेक्स लॉन्च किया था। अल्लू ओटीटी प्लेटफॉर्म से भी जुड़े हैं और उनका खुद का 'आहा' नामक ओटीटी प्लेटफॉर्म है। अल्लू एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जो लंबे समय से मनोरंजन जगत में योगदान दे रहा है। उनके पिता अल्लू अरविंद एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता हैं और दादा अल्लू रामलिंगैया टॉलीवुड के दिग्गज हास्य अभिनेता थे। वे मेगास्टार चिरंजीवी के भांजे और रामचरण के चचेरे भाई हैं।

रश्मिका मंदाना ने निजी ऑडियो लीक होने के बाद कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी

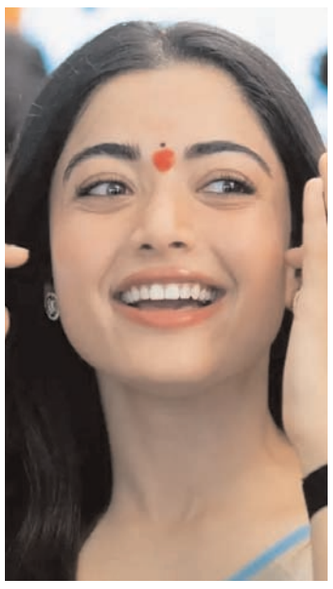

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी जो उनकी ''पुरानी निजी बातचीत'' को अब फैलाकर उनके विवाह के तुरंत बाद विवाद पैदा कर रहे हैं।मंदाना की पहले कन्नड़ अभिनेता रक्षित शेट्टी से सगाई हुई थी, लेकिन उन्होंने एक साल बाद, 2018 में यह सगाई तोड़ दी थी।अभिनेत्री ने हाल ही में जोधपुर में एक भव्य समारोह में अपने साथी कलाकार विजय देवरकोंडा से शादी की।

मंदाना ने 'एक्स' पर लिखा, मेरे प्यारे लोगों के लिए, जो इस अद्भुत यात्रा में मेरे साथ रहे हैं, और उन सभी के लिए जो इस मामले से जुड़े हैं। आठ साल हो गए हैं जब मीडिया के कुछ वर्गों और डिजिटल तौर पर सक्रिय व्यक्तियों द्वारा मेरे खिलाफ गलत जानकारी फैलाने, उत्पीड़न करने और लक्षित हमलों का अभियान शुरू किया गया था।अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अनुचित आलोचना का सामना करते हुए धैर्य और मौन बनाए रखा, लेकिन अब और नहीं। उन्होंने कहा, ...पिछले 24 घंटों में जो कुछ हुआ है, उसने एक ऐसी सीमा रेखा पार की जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्नतीस वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, 29 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, लगभग आठ साल पुरानी मानी जाने वाली एक निजी बातचीत को, इसमें शामिल लोगों की जानकारी या अनुमति के बिना रिकॉर्ड और प्रसारित किया गया प्रतीत होता है। उस बातचीत का एक छोटा हिस्सा अब जानबूझकर संदर्भ से काटकर प्रसारित किया गया है, ताकि मेरे व्यक्तिगत जीवन में हाल ही में हुई घटनाओं के साथ रणनीतिक रूप से मेल खाने वाले एक और असुविधाजनक विवाद को उत्पन्न किया जा सके।

मंदाना ने कहा कि उनके परिवार और जिन लोगों के साथ उनके सौहार्दपूर्ण संबंध हैं, उन्हें भी इस विवाद में घसीटा गया है। उन्होंने कहा, यह निजता का गंभीर उल्लंघन और भ्रामक एवं मानहानिकारक सामग्री का प्रसार है। हम जीवन में आगे बढ़ते हैं, विकास करते हैं, सार्थक कार्य करते हैं और सकारात्मकता फैलाते हैं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग दूसरों की गरिमा और शांति की कीमत पर नफरत और विवाद पैदा करना जारी रखते हैं।अभिनेत्री ने कहा, आठ साल तक, जब हमले केवल मुझ तक ही सीमित थे, मैंने मौन बनाए रखा। आज, जबकि अन्य लोगों को भी इसमें घसीटा जा रहा है, मैं अब और चुप नहीं रह सकती। मैंने एक सीमा तय करने का फैसला किया है।अभिनेत्री ने 'मीडिया प्लेटफॉर्म', 'इन्फ्लुएंसर्स' और अन्य लोगों से जो इस ऑडियो और उससे जुड़ी खबरें फैला रहे हैं से आग्रह किया कि वे इन्हें ''तुरंत हटा दें''।मंदाना ने 24 घंटे के भीतर सामग्री नहीं हटाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

माहेश्वरी महिला संगठन के 'गणगौर उत्सव' में गूंजे गणगौर माता के गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ओखलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा शुक्रवार को दोपहर में 'गणगौर सिंजारा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं प्रार्थना से हुई। अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए गणगौर त्यौहार की बधाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत गणगौर माता की पूजा से हुई जिसमें सचिव शोभा भूतड़ा, अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा, उपाध्यक्ष निर्मला कॉकाणी, सलाहकार विमला साबू, कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की नवमनोनीत अध्यक्ष सुनीता लाहोटी उपस्थित थीं। इस अवसर पर उपस्थित सभी महिलाओं ने गणगौर की पूजा की व गणगौर माता को गीत गाकर सिंजारा मनाया। ज्ञातव्य है कि राजस्थानी महिलाओं के लिए गणगौर का त्यौहार बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। होली के दहन के दूसरे दिन से गणगौर का त्यौहार शुरू हो जाता है और 16 दिनों तक कुंवारी कन्या अच्छे वर और महिलाएं अमर सुहाग के लिए हर रोज गणगौर माता की पूजा करती है । ङ्कश्रद्धा तापड़िया और टीम ने गणगौर के गीतों पर नृत्य प्रस्तुति दी। इस आयोजन में विशेष रूप से मेट्रो व रेट्रो साड़ी पहनना प्रतियोगिता में महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। रेट्रो थीम में आयुषी लड्ढा एवं निकिता बाहेती विजयी रही तो मेट्रो थीम में सीमा भूतड़ा एवं संगीता मुंदडा विजयी घोषित हुई। विजेताओं को पुरस्कृत एवं निर्णयकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित डाइटिशियन एवं वेलनेस कोच पूजा माहेश्वरी का भी सम्मान किया गया। महिलाओं के मनोरंजन के लिए म्यूजिकल हाउजी गेम और अन्य खेलों का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन रितु चितलांगिया ने किया एवं सुनीता मूंदड़ा ने सभी को धन्यवाद दिया।

सीरवी समाज के लोगों ने धर्म रथ एवं दीवान माधवसिंह का किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहाँ की केआरएस रोड़ स्थित सीरवी समाज केआरएस रोड़ मैसूर की ओर से गुरुवार को धर्मरथ (बैल) एवं आईपंथ के धर्मगुरु दीवान माधव सिंहजी का बधावा किया गया। महिलाओं ने अपने सिर पर मंगल कलश धारण कर दीवानजी व रथ का स्वागत किया तथा शोभा यात्रा में भाग लिया। आईजी गैर मंडल, मैसूरु गैर नृत्य की प्रस्तुति दी। शोभायात्रा विभिन्न मुख्य मार्गों से होते हुए आईमाता जी के मंदिर परिसर पहुंची। बड़ेर में समाज की ओर से धर्मगुरु का सम्मान किया गया।

साथ ही अन्य बडेरों से आए मेहमानों का भी सम्मान किया गया। ङ्कदीवान माधव सिंहजी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एकता में अखंडता है, किसी भी कार्य को एकजुट होकर करने से हमें सफलता जरूर मिलती है।

उन्होंने समाज में एकता व शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। ङ्कगौरतलब है कि आज से 550 वर्ष पहले माताजी ने धर्म रथ (बैल) के माध्यम से गाँव-गाँव शहर-शहर जाकर सीरवी समाज का धर्म के बारे में प्रचार-प्रसार किया जिसका अनुसरण करते हुए यह परम्परागत रथ हर जगह जाकर अपने धर्म के बारे में प्रचार कर रहा है ।

महिलाओं ने सुख, शांति समृद्धि की कामना के लिए की दशामाता की पूजा

घर-घर गूंजे दशामाता के गीत, महिलाओं ने बांधे डोरे, लिए संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चैत्र मास कृष्ण पक्ष के दशमी के दिन दशामाता की पूजा की जाती है। दशा माता का व्रत माता पार्वती को समर्पित है। महिलाएं पीपल के पेड़ की पूजा कर कच्चा सूत (धागा) लपेट कर घर के सदस्यों के लिए खुशहाली की मंगल कामना करती हैं। सुख समृद्धि की कामना करते हुए महिलाएं गले में दशामाता के नाम का डोरा बांधती हैं कि और अनेक नियमों का पालन करती हैं।

ऐसा माना जाता है कि यह व्रत करने से दसों दिशाओं से घर में धन-धान्य, सुख, शांति समृद्धि की वृद्धि होती है। यह व्रत होली के दूसरे दिन से दशमी तिथि तक किया जाता है। राजस्थानी महिलाओं द्वारा यह त्यौहार पूरी श्रद्धा व आस्था से मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं मंदिर में पारंपरिक गीतों पर नृत्य कर अपनी खुशियों का इजहार करती हैं। 10 दिनों तक चलने वाले इस त्यौहार के समापन पर माताजी की आरती और सामूहिक प्रसाद वितरण किया जाता है ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आस्टिन टाउन

बेंगलूरु के आस्टिन टाऊन में शुक्रवार को महिलाओं द्वारा दशामाता की विधि विधान से पूजा की गई तथा परिवार के प्रति मंगल स्वास्थ्य की कामना की। इस मौके पर महिलाओं को दशामाता कथा का श्रवण कराकर कथा का महत्व समझाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूर जेपी नगर

मैसूरु के मैसूरु के जेपी नगर में महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए दशा माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने पीपल के पेड़ की परिक्रमा लगाई और जल अर्पण किया। महिलाओं ने पेड़ के चारों ओर धागा लपेटकर अपने घर की दशा अच्छी बनाए रखने की प्रार्थना की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सराईपाल्या

बेंगलूरु के सराईपाल्या स्थित नागवारा मंदिर में दशमी के अवसर पर शुक्रवार को राजस्थानी महिलाओं ने दशामाता की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने सुबह पीपल वृक्ष की पूजा की तथा पीपल की परिक्रमा कर भगवान से खुशहाली की प्रार्थना की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शांतिनगर

राजस्थानी प्रवासी महिलाओं ने बेंगलूरु के शांतिनगर स्थित माता मंदिर परिसर में पीपल के वृक्ष की पूजा-अर्चना कर 10 गांठ का डोरा बांधा और सुख-समृति की कामना की। इस दौरान महिलाओं ने दशा माता व राजा नल-दमयंती की कथा सुनी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु हुमरगल्ली

मैसूरु के हुमरगल्ली में माता मंदिर में राजस्थानी महिलाओं द्वारा दशा माता की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की व महिलाओं ने माता की कथा सुन गले में दशा माता का डोरा बांधा व नियम धारण किए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मावहल्ली

बेंगलूरु के मावहल्ली क्षेत्र के उपहारहल्ली में राजस्थानी महिलाओं ने शुक्रवार को दशामाता की पूजा की तथा महिलाओं ने माता की कथा सुनी। महिलाओं ने मंगलगीत गाए तथा खुशहाली की कामना की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु सिद्धार्थ लेआउट

मैसूरु के सिद्धार्थ लेआउट के टेरिसर कॉलेज क्षेत्र में स्थित माता मंदिर में राजस्थानी समाज की महिलाओं ने राजस्थानी परिधानों में सज धज कर हाथ में पूजन थाल लिए दशा माता की पूजा की, मंगल गीत गाएव कथा सुनी ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु जनतानगर

मैसूरु के जनता नगर में दशा माता मन्दिर में राजस्थानी महिलाओं ने माता की पूजा-अर्चना कर परिवार की खुशहाली और सुख-समृद्धि के लिए कामना की। पूजा के बाद महिलाओं ने अपने घरों के बाहर हल्दी के छापे लगाए, जो परिवार की यश, कीर्ति और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है और पारंपरिक गीत गाए। महिलाओं ने दशा माता के प्रतीक के रूप में 10 गांठों वाला डोरा धारण किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु बन्नूर

मैसूरु के बन्नूर कस्बे में राजस्थानी महिलाओं ने दशा माता का विधिवत पूजा अर्चना की तथा दशा माता कथा का श्रवण किया। महिलाओं ने भक्ति गीतों के माध्यम से दशा माता का महिमा मंडन किया। अंत में पीपल पेड़ के चारों ओर कच्चा सूत बांधकर परिवार की सुख समृद्धि की मंगल कामनाएं कर परिक्रमा लगाई ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दासरहल्ली-एमसी लेआउट

बेंगलूरु के एमसी लेआउट एवं अग्रहारा दासरहल्ली में रहने वाले राजस्थानी समाज की महिलाओं द्वारा शुक्रवार को दशा माता का पर्व मनाया गया। इस 10 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं ने दशा माता की पौराणिक कथाओं का श्रवण कर पूजा की तथा परिवार की खुशहाली की कामना की।

पाकिस्तान ने हवाई हमलों में आम नागरिकों के घरों को निशाना बनाया

काबुल/एपी

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने शुक्रवार सुबह पाकिस्तान की सेना पर काबुल और दक्षिणी प्रांत कंधार में रात भर जारी रहे हवाई हमलों में नागरिकों के घरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। तालिबान सरकार ने कहा कि हमले में कम से कम चार आम नागरिक मारे गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने की अपील के बावजूद दोनों पड़ोसी देशों के बीच लड़ाई का यह तीसरा सप्ताह है। सरकारी प्रवक्ता जबिहुल्ला मुजाहिद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि पाकिस्तान के विमान ने कंधार हवाई अड्डे के पास स्थित निजी एयरलाइन 'काम एयर' से संबंधित ईंधन डिपो (ईंधन भंडार केंद्र) पर भी हमला किया। उन्होंने कहा, ''यह कंपनी नागरिक विमानों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के विमान को ईंधन की आपूर्ति करती है।'' पाकिस्तान की सेना या सरकार की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई।

फरवरी के आखिर से ही पाकिस्तान और अफगानिस्तान एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। अफगानिस्तान ने कहा था कि उसने सीमा पर पाकिस्तानी हमलों के जवाब में पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाकर हमले किए थे। पाकिस्तान की सेना का कहना है कि उसके अभियानों में सीमा पर मौजूद पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) और उनके समर्थक नेटवर्क को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तानी तालिबान और उनके समर्थक नेटवर्क को अफगानिस्तान ने कभी औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी है। दोनों पक्षों ने भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है जो वर्षों में उनकी सबसे घातक लड़ाई बन गई है और पाकिस्तान इसे अफगानिस्तान के साथ ''खुला युद्ध'' बता रहा है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**